सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्षः 12 ● अंक 89 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार 5 मई, 2026
मूल्य ₹ 3/-

मेहमान भी तीन दिन बाद मछलियों की तरह बदबू करने लगते हैं।
–बेंजामिन फ्रैंकलिन

आईपीएल में मुंबई इंडियंस का सबसे बड़ा... 7 | तो क्या बिखर जाएगा इंडिया... 3 | पश्चिम बंगाल का विस रिजल्ट... 2

दिल्ली हाईकोर्ट ने 4PM नेशनल चैनल को तुरंत खोलने के दिये आदेश

4PM की वापसी से गूंजा लोकतंत्र जिद सच की जिंदाबाद

» आदेश के बाद सोशल मीडिया पर समर्थन में उतरे लोग

» संपादक संजय शर्मा की दर्शकों से अपील, वीडियो को ज्यादा से ज्यादा शेयर करें, फॉरवर्ड करें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट का आज का फैसला सिर्फ एक फैसला नहीं है। यह फैसला वह पल है जब खामोश स्क्रीन पर एक बार फिर 4PM नेशनल न्यूज चैनल जनता की आवाज बनकर दोबारा से वापसी कर रहा है। जब एक बैन की मोहर अदालत की दहलीज पर आकर सवालों में बदल गई। जब राष्ट्र विरोध के ठप्पे के सामने सच ने सीना तानकर कहा मैं 4PM हूं और मैं मौजूद रहूंगा।

साजिश करके डिजिटल अंधेरे में धकेला गया, 4PM न्यूज चैनल एक बार फिर आखों में आंख डाल कर सवाल पूछने की आजादी के साथ वापस लौट रहा है। दिल्ली हाईकोर्ट में चली सुनवाई के बाद आज ऐतिहासिक निर्णय आया है और माननीय न्यायधीश ने चैनल को फिर से खोलने के आदेश दिये हैं। 4PM फिर सवाल पूछेगा और खड़ा रहेगा हर उस आवाज के साथ जो सच के लिए उठाई जा रही हो। ध्यान रहे कि आरोपों की आंधी थी नोटिसों की बौछार थी प्रतिबंध की तलवार थी लेकिन इसके बावजूद जो नहीं टूटा वह था जिद का वह धागा जो कहता रहा सवाल पूछना गुनाह नहीं जवाब मांगना हक है। यह कहानी सिर्फ 4PM न्यूज चैनल की नहीं है, यह उस संघर्ष की कहानी है जहां एक तरफ सरकारी ताकत खड़ी थी और दूसरी तरफ एक माइक्रोफोन एक कैमरा और एक आवाज। यह वही आवाज है जिसने हर वार के बाद खुद को समेटा फिर उठी फिर बोली और आज अदालत के दरवाजे पर खड़ी होकर दुनिया से कह रही है देखो सच को रोकना असंभव है। दिल्ली हाईकोर्ट की चौखट पर चल रही यह जंग अब सिर्फ कानून की किताबों तक सीमित नहीं रही। यह लोकतंत्र के उस मूल सवाल तक पहुंच चुकी है जहां पूछा जा रहा है कि क्या असहमति को दबाया जा सकता है? क्या एक प्लेटफार्म को खामोश कर देना विचारों को खत्म कर देता है?

दिल्ली हाईकोर्ट की दहलीज से उठा संदेश बैन आखिरी हथियार नहीं

सवाल पूछना देश के खिलाफ नहीं होता

संपादक संजय शर्मा ने एक पत्रकार के भीतर चल रही लड़ाई, दर्द और जज्बे की कहानी को वीडियो के जरिये साझा किया है। संजय शर्मा ने खुलकर बताया कि पिछले कुछ समय में उन्हें किन-किन आरोपों का सामना करना पड़ा। उन्हें एंटी नेशनल तक कहा गया। लेकिन उन्होंने सीधे सवाल खड़े किए कि क्या मणिपुर में हुई हिंसा पर सवाल उठाना देश विरोधी है? क्या उन घटनाओं पर बात करना जहां महिलाओं के साथ अमानवीय व्यवहार हुआ गलत है? उन्होंने यह भी पूछा कि क्या बेरोजगारी जैसे गंभीर मुद्दे पर सरकार को घेरना एंटी नेशनल कहलाता है? उनका कहना था कि एक पत्रकार का काम सत्ता से सवाल करना है न कि केवल उसकी सराहना करना। लेकिन आज के माहौल में सवाल पूछना ही अपराध बना दिया गया है। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि जब अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की स्थिति पर सवाल उठते हैं तब उन मुद्दों पर चर्चा करना भी कुछ लोगों को देश विरोधी लगता है। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि देश और सरकार अलग-अलग होते हैं और सरकार से सवाल करना देश के खिलाफ नहीं होता।

सोशल मीडिया पर ईद दीवाली की खुशियां

जैसे ही कोर्ट का आदेश सामने आया सोशल मीडिया पर खुशी की लहर दौड़ गई। मानो ईद और दीवाली एक साथ उतर आई हो। समर्थकों ने इसे सत्य की जीत बताया तो आलोचकों के मुंह पर भी यह फैसला एक सख्त जवाब बनकर सामने आया। पिछले कुछ समय से 4PM और उसके संपादक संजय शर्मा पर जिस तरह का दबाव बनाया गया वह किसी से छिपा नहीं है। आरोप, जांच, नोटिस- हर हथियार आजमाया गया। लेकिन आज अदालत ने साफ कर दिया कि कानून के दायरे में रहकर किसी की आवाज को यूं दबाया नहीं जा सकता। संजय शर्मा के समर्थन में सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स हो या फिर यूटयूब, हर जगह हर कोई उनके जज्बे को सलाम करता हुआ दिखाई दे रहा है। कोई उनके सब्र के बारे में बात कर रहा है तो कोई उनकी लड़ाई लड़ने के स्टाइल के बारे में। जाहिर सी बात है जो दर्द, जो तकलीफ उन्होंने झेली है हर कोई नहीं झेल सकता और हर कोई इसतरह के दबाव से उभर कर ऊपर नहीं आ सकता। संजय शर्मा एक महान योद्धा की तरह सोशल मीडिया पर उभर कर सामने आये हैं और हर कोई उनकी तारीफ करता हुआ दिखाई दे रहा है। पिछला समय उनके और चैनल के लिए ठीक नहीं रहा। लेकिन तमाम बड़े मीडिया हाउस जिसमें द हिंदू जैसा अंग्रेजी का अखबार भी शामिल है ने उनका साथ दिया और उनके पक्ष में पूरा फुल पेज का आर्टिकल छापा।

हर उस आवाज की जीत है जो सवाल पूछती है

आज अदालत का फैसला 4PM के पक्ष में आया और चैनल की एक बार फिर वापसी हुई। यह दूर तक गूंजने वाला वह साफ संदेश है जो बताने के लिए काफी है कि प्रतिबंध अंतिम रास्ता नहीं हो सकता। यह बताता है कि हर कार्रवाई से पहले जवाबदेही की कसौटी पर खुद को तौलना होगा। आज की जीत सिर्फ 4PM की जीत नहीं है बल्कि हर उस आवाज की जीत है जो सवाल पूछती है। हर उस पत्रकार की जीत है जो जोखिम लेकर भी सच्चाई के करीब जाना चाहता है। और हर उस दर्शक की जीत है जिसने इंतजार किया इस यकीन के साथ कि सच देर से सही लेकिन लौटता जरूर है।

सच देर से सही लेकिन लौटता जरूर है

डरे नहीं, डंटे रहे संजय शर्मा

संजय शर्मा ने बताया कि इन आरोपों ने उन्हें अंदर से तोड़ा, उन्हें गहरी तकलीफ हुई। उन्होंने कहा कि मुझ पर ऐसे आरोप लगाए गए जिनके बारे में मैंने कभी सोचा भी नहीं था। यह कहते हुए उनका दर्द साफ झलकता है। लेकिन इसके बावजूद उन्होंने खुद को संभाले रखा। उन्होंने अपनी टीम का जिक्र करते हुए कहा कि उनके साथ करीब 80 लोगों की टीम काम करती है। यह सिर्फ एक चैनल नहीं बल्कि एक परिवार है। उन्होंने कहा कि उनकी टीम हमेशा उन्हें मुस्कुराते हुए देखना चाहती है और यही वजह थी कि उन्होंने अपने दर्द को छुपाकर रखा। मैं अंदर से टूट रहा था लेकिन बाहर से मुस्कुराता रहा ताकि मेरी टीम का मनोबल बना रहे। यह बात उनके नेतृत्व और जिम्मेदारी को भी दिखाती है। एक तरफ व्यक्तिगत पीड़ा दूसरी तरफ टीम की उम्मीदें इन दोनों के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं होता। लेकिन संजय शर्मा ने यह जिम्मेदारी निभाने की कोशिश की। अपने संदेश के अंत में उन्होंने दर्शकों से भावुक अपील भी की। उन्होंने कहा कि अगर लोगों को उनकी पत्रकारिता पर भरोसा है तो वे एक बार फिर उनका साथ दें। चैनल को शेयर करें, उसे आगे बढ़ाएं, ताकि वह फिर से उसी ऊंचाई तक पहुंच सके जहां से उसने अपनी पहचान बनाई थी।

पश्चिम बंगाल का विस रिजल्ट फरेब : अखिलेश

सपा ने चुनाव आयोग पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पश्चिम बंगाल के चुनाव परिणाम को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा व चुनाव आयोग पर सवाल उठाए हैं। आपको बता दे बंगाल विस चुनाव में ममता बनर्जी को हार मिली है। वहां भाजपा ने बड़ी जीत हासिल की है। इस पर अलग-अलग राजनीतिक दलों के नेताओं ने प्रतिक्रिया दी है।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बिना नाम लिए पश्चिम बंगाल के चुनाव परिणाम पर एक्स के माध्यम से कहा कि हर फरेबी फतह की एक मियाद होती है। यह बात ही सच्चाई की बुनियाद होती है। वहीं पश्चिम बंगाल, असम एवं पुडुचेरी के विधानसभा चुनावों में भाजपा को मिली ऐतिहासिक जीत पर पार्टी प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि गंगोत्री से गंगासागर तक भाजपा को मां गंगा और जनता जनार्दन का आशीर्वाद मिल रहा है। इस जीत का आधार पीएम मोदी का देश में विकास, सुशासन और विश्वास की राजनीति है। बंगाल में टीएमसी का भय परास्त हुआ और पीएम का भरोसा विजयी हुआ है। असम में विकास की हैट्रिक ने साबित कर दिया है कि जनता अब केवल परफॉर्मेंस की राजनीति चुन रही है। पूर्वी भारत से उठी यह लहर उत्तर प्रदेश के मिशन 27 को अभूतपूर्व ऊर्जा प्रदान करेगी। प्रदेश में भी संगठन को

और सशक्त बनाते हुए 'मिशन 27' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कार्यकर्ता पूरी ऊर्जा के साथ जुटे हैं। भाजपा कार्यकर्ता लगातार जनता की सेवा में समर्पित रहते हैं। बंगाल और असम का यह परिणाम तो केवल ट्रेलर है, यूपी-27 में सुशासन की हैट्रिक के साथ पूरी पिक्चर अभी बाकी है।

एसआईआर के नाम पर वोट कटने का डर : बर्क

पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत के बाद अब उत्तर प्रदेश में 27 में होने वाले चुनाव पर सबकी नजर टिक गई हैं।

पीएम मोदी ने भी बंगाल की जीत के बाद विरोधियों को जबरदस्त तरह से आड़े हाथों लिया। जिसे लेकर सँभल से समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर्रहमान बर्क का बयान आया। उन्होंने कहा कि भाजपा की जीत से किसी को डर नहीं है डर तो इस बात का है कि लोगों को फंसाया जाता है, वोट काट दिए जाते हैं। सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने बंगाल में बीजेपी की जीत के बाद यूपी चुनाव को लेकर कहा कि हमें डर किसी का नहीं है, किसी को नहीं है. हमारा अगर डर होगा तो फिर चुनाव ही किस बात का रहेगा। लेकिन, डर इस बात का है कि एसआईआर के नाम पर जो वोट काटे गए हैं, डर उस बात का है, लोगों के साथ जो पक्षपात किया जाता है उस बात का डर है. लोगों को ग़लत मुकदमों में फंसाया जता है उस बात का डर है। सपा सांसद ने कहा कि बीजेपी की सरकार जहां-जहां इस देश के अंदर है वहां इस प्रकार के काम होते हैं, मैं उम्मीद करता हूं कि इस चीज़ का एहसास वहां पश्चिम बंगाल की बड़ी आबादी को था, कि बीजेपी की सरकार बनेगी तो वहां पर सांप्रदायिक ताकतों का मज़बूत होना न प्रदेश के लिए अच्छा है न देश के लिए अच्छा हैं, जिन लोगों को बीजेपी से अच्छी उम्मीदें थी अब उन्हें आने वाले समय में इसका एहसास होगा।

तीनों राज्यों में बसपा को झटका वोट नहीं बटोर सके आकाश

» पार्टी तीनों राज्यों में एक फीसदी वोट भी नहीं जुटा सकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी तीन राज्यों पश्चिम बंगाल, तामिलनाडु और केरल के विधानसभा चुनाव में प्रदर्शन अपेक्षा पर खरी नहीं उतरी। पार्टी तीनों राज्यों में एक फीसद वोट भी नहीं जुटा सकी। बीते कई वर्षों से तीनों राज्यों में संगठन को मजबूत करने और दलितों के साथ अल्पसंख्यकों को पार्टी के साथ जोड़ने की कवायद फेल हो गई। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद का जादू भी चुनाव में नहीं चला। इसकी वजह पार्टी में बीते कई दिनों से जारी भितरघात और पदाधिकारियों की लापरवाही बताई जा रही है।

बता दें कि तीनों राज्यों में बसपा ने प्रत्याशी उतारने के साथ वरिष्ठ पदाधिकारियों को भी चुनावी मोर्चे पर भेजा था। इनमें आकाश आनंद के साथ उनके ससुर अशोक सिद्धार्थ, जयप्रकाश आदि कद्दावर नेताओं को लगाया गया था। आकाश ने तो पश्चिम बंगाल में रैली भी की थी, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों का जमावड़ा हुआ था। बसपा को तामिलनाडु और केरल में भी कुछ सीटें जीतने की उम्मीद थी, जो परवान नहीं चढ़ सकीं। इससे पहले बिहार चुनाव में बसपा का एक प्रत्याशी विधायक बनने

में कामयाब हुआ था, लेकिन पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल में पार्टी का खाता भी नहीं खुल सका। पश्चिम बंगाल के पिछले चुनाव में बसपा ने 200 से ज्यादा प्रत्याशी उतारे थे और मायावती ने खुद जनसभा की थी। हालांकि पार्टी को तब भी कोई फायदा नहीं हुआ था। हालिया चुनाव में जिन तीन राज्यों से बसपा को उम्मीदें थीं, वहां प्रचार अभियान से पार्टी अध्यक्ष मायावती ने दूरी बनाए रखी। इसे भी पार्टी की असफलता की बड़ी वजह माना जा रहा है। चुनाव नतीजों से साफ हो गया कि बसपा को खासकर दक्षिण के राज्यों में अपनी जड़ें जमाने के लिए खासी मशक्कत करनी होगी।

पश्चिम बंगाल में 9 मई को नए मुख्यमंत्री का होगा शपथ ग्रहण

» राज्य भाजपा अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने दी जानकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत के बाद अब सभी की निगाहें राज्य में भाजपा के मुख्यमंत्री चेहरे और शपथ ग्रहण की तारीख पर टिक गई हैं। इसी सवाल का जवाब देते हुए राज्य भाजपा अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने बड़ा अपडेट दिया है, उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह 9 मई को आयोजित किया जाएगा।

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के लिए दो चरणों में वोटिंग के बाद 4 मई को मतों की गणना हुई। जिसमें सत्ता धारी दल तृणमूल कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा। आंकड़ों की बात करें तो टीएमसी को मात्र 80 सीटें मिली हैं, जबकि पिछले चुनाव में पार्टी ने अकेले 215 सीटों हासिल की थी।

बिहार में सात मई को होगा मंत्रिमंडल विस्तार

बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की नई सरकार का मंत्रिमंडल विस्तार सात मई को होगा। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी जो लिस्ट लेकर दिल्ली गए थे, उस पर आलाकमान ने मुहर लगा दी है। इसके बाद स्पष्ट हो गया कि गांधी मैदान में शपथ ग्रहण समारोह होगा। इसके लिए तैयारियां चल रही है। प्रदेश अध्यक्ष संजय सरागवी ने बताया कि सात मई को गांधी मैदान में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में नई सरकार का मंत्रिमंडल विस्तार होगा। इस शपथ ग्रहण समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन भी शामिल होंगे। सम्राट चौधरी फिलहाल 30 मंत्रियों को शपथ दिलाने की तैयारी में हैं। इनमें भाजपा से 12, जदयू से 11, लोजपा (रामविलास) से और रालोमो व हम से एक-एक मंत्री बनेंगे। गृह विभाग और विधानसभा अध्यक्ष का पद भाजपा अपने पास ही रखेगी। जदयू, रालोमो और हम कोई खास प्रयोग नहीं करेगी। नवंबर 25 में नई सरकार में जिन लोगों ने शपथ ली थी, उन्हें ही दुबारा मौका दिया जाएगा।

50 वर्ष के बेरोजगार को विरासत बचाने के लिए उतारा : राजेश राठौड़

» निशांत कुमार की सद्भाव यात्रा पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार ने चंपारण से अपनी यात्रा की शुरुआत की है। उनकी इस यात्रा पर कांग्रेस ने तीखा हमला किया है। विपक्षी दल कांग्रेस ने इसे नीतीश कुमार की हताशा बताते हुए उनकी राजनीतिक शुचिता पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। कांग्रेस ने कहा कि यह यात्रा नीतीश कुमार का राजनीतिक सरेंडर है।

बिहार कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता राजेश राठौड़ ने नीतीश कुमार पर हमला करते हुए कहा कि जो नेता जीवन भर वंशवाद के खिलाफ हुंकार भरता रहा, आज वही अपनी डूबती नैया बचाने के लिए परिवारवाद की शरण में है। उन्होंने निशांत कुमार की यात्रा को जदयू को बचाने का नीतीश कुमार का

अंतिम और हताश प्रयास बताया। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने दो दशकों तक जिसे सबसे बड़ा मुद्दा बनाकर राजनीति की, आज उसी वंशवाद के बीज को बिहार की धरती पर बोने की कोशिश कर रहे हैं। कांग्रेस प्रवक्ता राजेश राठौड़ ने निशांत कुमार पर टिप्पणी करते हुए उन्हें 50 वर्षीय बेरोजगार करार दिया। राठौड़ ने निशांत कुमार पर आरोप लगाते हुए कहा कि पिछले 20 वर्षों से निशांत कुमार मुख्यमंत्री आवास की सुख-सुविधाओं का आनंद ले रहे थे, लेकिन उन्हें कभी बिहार के युवाओं या पार्टी संगठन की याद नहीं आई। अब जब भाजपा जदयू को निगलने का प्रयास कर रही है, तब घबराकर नीतीश कुमार ने मजबूरी में अपने बेटे को सड़कों पर उतारा है। उन्होंने कहा कि जेपी और लोहिया का नाम लेने वाली पार्टी अब पूरी तरह भाजपा के दबाव में है। राजेश राठौड़ ने कहा कि बिहार का युवा अब जागरूक है। जब निशांत कुमार जनता के बीच जाएंगे, तो उनसे यह सवाल जरूर पूछा जाएगा कि पिछले दो दशकों में उन्होंने युवाओं के संघर्ष और समस्याओं के लिए अपनी आवाज क्यों नहीं उठाई? उन्होंने कहा कि यह सद्भाव यात्रा जनहित के लिए नहीं, बल्कि एक डूबते राजनीतिक साम्राज्य को सुरक्षित रखने का जरिया मात्र है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

बंगाल में भाजपा की जीत लोकतंत्र की हत्या : राउत

» शिवसेना यूबीटी नेता बोले- पाकिस्तान और रूस की तरह हुआ चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में भाजपा की ऐतिहासिक जीत पर शिवसेना नेता संजय राउत ने चुनाव प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाते हुए इसकी तुलना पाकिस्तान और रूस से की है। राउत ने लाखों मतदाताओं के नाम हटने का आरोप लगाते हुए इसे लोकतंत्र की नहीं, बल्कि पीएम मोदी और अमित शाह की जीत बताया।

पश्चिम बंगाल के चुनावों में भाजपा ने इतिहास रचा है। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी को भारी बहुमत मिला है और वह पहली बार राज्य में सरकार बनाने जा रही है।

हालांकि, इसको लेकर विपक्ष भाजपा पर बड़े आरोप लगाने शुरू कर दिए है। विधानसभा चुनाव के नतीजों पर शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा कि मेरा मानना ??है कि यह लोकतंत्र की जीत नहीं है। यह निश्चित रूप से प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह की जीत है। पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों की तरह, एसआईआर के जरिए लाखों मतदाताओं के नाम हटा दिए गए और उन्हें वोट डालने का अधिकार नहीं मिला। जीत और हार के बीच 11 लाख वोटों का अंतर है। अगर 9 लाख वोट काट दिए गए, तो यह प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह की जीत कैसे हो सकती है?... मैंने इस तरह के चुनाव पाकिस्तान, रूस और अजरबैजान में देखे हैं। इस तरह के चुनाव तो चुनाव होते ही नहीं। पहले नतीजे तय किए जाते हैं, फिर चुनाव कराए जाते हैं। संजय राउत ने आगे कहा कि ममता दीदी का राहुल गांधी की बात न सुनना एक गंभीर अपराध है। अगर ममता दीदी राहुल गांधी के साथ बैठकर इस मामले पर चर्चा करतीं, तो नतीजे कुछ और होते। राहुल गांधी ने जो कहा था, वह सच हो गया है। वे एक दूरदर्शी नेता हैं। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में चुनाव धांधली से हुए हैं।

तो क्या बिखर जाएगा इंडिया गठबंधन!

झारखंड में कांग्रेस व हेमंत सोरेन में पड़ेगी दरार

- बंगाल में भी कांग्रेस टीएमसी पर रही हमलावार
- पंजाब में आप सवाल उठा रही है कांग्रेस
- नेकां कश्मीर में कांग्रेस पर बिफरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इंडिया गठबंधन में आजकल सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। एक तरफ भाजपा को रोकने के लिए गठबंधन संकलिप्त है पर कुछ नेताओं के बयान व गतिविधियां इस पर प्रश्न उठाती हैं। जैस बंगाल के चुनाव में कांग्रेस का बार-बार टीएमसी पर हमला करना, नेशनल कांफ्रेंस का कांग्रेस को निशाना बनाना अब झारखंड में झामुमो व कांग्रेस में मतभेद की खबरें हैं।

वहीं आप के खिलाफ पंजाब कांग्रेस मुखर है। आपको बता दें दिनों राज्यों की सरकारों के समर्थन में कांग्रेस है। पर इस तरह के बयान ये इशारा करते है गठबंधन कमजोर पड़ रहा है। इसका सबसे बड़ा लाभ भाजपा को मिल रहा है। बता दें कांग्रेस और जेएमएम में खींचतान का दौर शुरू हो गया है। कांग्रेस का कहना है कि एक सीट पर उनका अधिकार है, जबकि जेएमएम दोनों सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारना चाहती है। झारखंड में मई 26 यानी इसी महीने के अंदर राज्यसभा का चुनाव होना है। राज्य की दो राज्यसभा सीटों पर यह चुनाव होगा। एक तरफ सीएम हेमंत सोरेन की झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस और आरजेडी होंगी। वहीं दूसरी तरफ बीजेपी के बीच मुकाबला होगा। इन चुनावों को लेकर कांग्रेस और जेएमएम में खींचतान का दौर शुरू हो गया है।

राहुल गांधी का ममता बनर्जी पर हमला

पश्चिम बंगाल के आसनसोल में कांग्रेस कार्यकर्ता देबदीप चटर्जी की कथित हत्या के बाद सियासी माहौल गरमा गया है। इस घटना पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए ममता बनर्जी की सरकार पर सीधा निशाना साधा था। राहुल गांधी ने इसे बंगाल में लोकतंत्र की जगह टीएमसी का गुंडा राज चलने जैसा बताया है। देबदीप चटर्जी आसनसोल उत्तर से कांग्रेस उम्मीदवार श्री प्रसेनजीत पुइतांडी के साथ काम करते थे। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर इस घटना की निंदा करते हुए कहा कि चुनाव के बाद टीएमसी से जुड़े गुंडों द्वारा कांग्रेस कार्यकर्ता देबदीप चटर्जी की हत्या बेहद शर्मनाक है। उन्होंने शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि बंगाल में विपक्ष की आवाजों को डराना, उन्हें मारना और मिटाना टीएमसी का स्वभाव बन गया है। उन्होंने कहा कि राज्य में हो रही राजनीतिक हिंसा लगातार लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर कर रही है। राहुल गांधी ने अपनी पार्टी का पक्ष रखते हुए कहा कि कांग्रेस की राजनीति कभी हिंसा पर नहीं टिकी है और न ही कभी टिकेगी। उन्होंने कहा, हमने भी अपने कई कार्यकर्ता खोए हैं, लेकिन इसके बावजूद हमने हमेशा अहिंसा और संविधान का रास्ता चुना है। यही हमारी विरासत है और यही हमारा संकल्प है।

कांग्रेस ने की थी मांग

कांग्रेस ने ममता सरकार से इस मामले में तत्काल और ठोस कार्रवाई की मांग की थी। पार्टी ने अपनी मांग साफ तौर पर रखी कि सभी दोषियों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए और उन्हें सबसे सख्त सजा मिले। देबदीप के परिवार को पूरी सुरक्षा दी जाए और परिवार को उचित मुआवजा मिलना चाहिए। राहुल गांधी ने अंत में कहा कि भारत की अहिंसक परंपरा को कलंकित करने वाली इस राजनीति के सामने कांग्रेस झुकने वाली नहीं है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पीड़ित परिवार को न्याय जरूर मिलेगा।

जून में खाली हो रही दो सीटों के लिए होना है चुनाव

इस साल जून में खाली हो रही झारखंड से दो राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव होगा। एक सीट झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक शिबू सोरेन के पिछले साल हुए निधन के बाद से रिक्त है तथा दूसरी सीट पर बीजेपी के दीपक प्रकाश का कार्यकाल पूरा हो रहा है।

विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने सीएम मान को निशाने पर लिया

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान एक बार फिर विवादों के केंद्र में आ गए हैं। विधानसभा सत्र के दौरान विपक्ष ने उन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि वह कथित रूप से नशे की हालत में सदन में पहुंचे। इस आरोप ने राज्य की राजनीति को गरमा दिया है और सत्ता तथा विपक्ष के बीच तीखी बयानबाजी शुरू हो गई है। पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने इस मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाया। उन्होंने मांग की कि मुख्यमंत्री समेत सभी विधायकों का तुरंत अल्कोमीटर और डोप परीक्षण कराया जाए

ताकि सच्चाई सामने आ सके। बाजवा का कहना है कि यदि इस तरह के आरोप लग रहे हैं तो पारदर्शिता बनाए रखने के लिए जांच जरूरी है। इससे पहले विस के विशेष सत्र में आप सरकार द्वारा विश्वास मत प्रस्ताव लाने की बात पर भी कांग्रेस ने सवाल उठाए थे।

विधानसभा में संख्या बल

झारखंड में हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ गठबंधन के पास 81 सदस्यीय विधानसभा में 56 विधायक हैं. झामुमो के 34 विधायक हैं तो कांग्रेस 16 विधायकों के साथ गठबंधन का दूसरा सबसे बड़ा घटक है. इसके अलावा आरजेडी क 4 और लेफ्ट के पास दो विधायक हैं. वहीं संख्याबल को देखते हुए दोनों सीटों पर इंडिया

गठबंधन की दावेदारी बेहद मजबूत मानी जा रही है, लेकिन सीट बंटवारे को लेकर पेच फंस सकता है।

दो सीटों पर कांग्रेस ने कहा है कि एक सीट पर उनका अधिकार

दो सीटों पर कांग्रेस ने कहा है कि एक सीट पर उनका अधिकार है, जबकि जेएमएम दोनों सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारने के मूड में दिख रही है। इस बीच कांग्रेस के झारखंड प्रभारी के. राजू ने कहा कि उनकी पार्टी अपने सहयोगी झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) से इस साल जून में एक राज्यसभा सीट की मांग करेगी, क्योंकि दो सीटों में से एक पर उसका अधिकार बनता है।

फारूक अब्दुल्ला ने कांग्रेस पर साधा निशाना

नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा है कि जम्मू-कश्मीर की राज्य का दर्जा बहाल करने के मुद्दे पर इंडिया गठबंधन, खासकर कांग्रेस से अपेक्षित समर्थन नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी इंडिया गठबंधन का हिस्सा बनी हुई है, लेकिन गठबंधन इस मुद्दे पर एकजुट और मजबूत रुख अपनाने में विफल रहा है। जम्मू-कश्मीर के मुद्दों पर ठोस और संयुक्त रणनीति की कमी सबसे बड़ी समस्या है। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि गठबंधन को केवल चुनावी मंच नहीं रहना चाहिए बल्कि देश और जम्मू-कश्मीर के भविष्य जैसे मुद्दों पर नियमित रूप से बैठकें करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विपक्ष अभी तक ऐसा नेतृत्व नहीं दे पाया है जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुनौतियों का प्रभावी ढंग से मुकाबला कर सके।

नेकां को केंद्र सरकार पर भरोसा

केंद्र सरकार पर भरोसा जताते हुए कहा कि राज्य का दर्जा बहाल करने का आश्वासन प्रधानमंत्री और गृह मंत्री दोनों ने दिया है और उम्मीद है कि चुनावी प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद इस दिशा में निर्णय लिया जाएगा। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि यदि बार-बार दिए गए आश्वासनों के बावजूद राज्य का दर्जा बहाल नहीं होता है, तो उनकी पार्टी कानूनी विकल्पों पर भी विचार कर सकती है और सुप्रीम कोर्ट का रुख किया जा सकता है।

जल्द ही मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से बात करेंगे : राजू

कांग्रेस नेता राजू ने यह भी कहा कि पिछले तीन राज्यसभा चुनावों में राज्य का सत्तारूढ़ गठबंधन सिर्फ एक सीट जीतने की स्थिति में था, इसलिए तीनों बार सीट झामुमो के पास गई, लेकिन इस बार यह गठबंधन दोनों सीट जीतने की स्थिति में है। राजू ने कहा कि इस बार हमारे पास दो सीटों के लिए संख्या बल है, इसलिए हमें एक सीट के लिए अनुरोध करने का अधिकार है। हम जल्द ही (मुख्यमंत्री) हेमंत सोरेन से बात करेंगे और एक सीट के लिए अनुरोध करेंगे।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

आखिर कब श्रमेव जयते सत्य होगा

आखिर कब श्रमेव जयते सत्य होगा। भारतीय मजदूर संघ के संस्थापक दत्तोपंत ठेंगड़ी के द्वारा किया गया उद्घोष मजदूरों, दुनिया को एक करो, महज एक नारा नहीं था बल्कि विश्व निर्माण की आयोजना में श्रम और श्रमिकों के ऐतिहासिक अवदान को एक नए आर्थिक-राजनीतिक अर्थ-संदर्भ में देखने का एक भारतीय नजरिया था।

अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस पर पूरे देश में कई कार्यक्रम हुए। पर भारत के श्रमिकों की वर्तमान में क्या स्थिति है इसके लिए नोएडा की घटना बहुत कुछ कह देती है। अपने देश में आज न्यूनतम वेतन के नाम पर मजदूर बस ठगे जाते हैं। सरकारें बड़े-बड़े दावे करते हैं पर उन दावों की सच्चाई मजदूरों के की मांगे व धरना प्रदर्शन बता देते हैं। सरकारों से एक ही मांग है जो मजदूर देश का निर्माण कर रहे हैं उनको हर प्रकार से सुविधा मिलनी चाहिए ताकि वह और मेहनत से देश सेवा में लग सकें। आखिर कब श्रमेव जयते सत्य होगा। भारतीय मजदूर संघ के संस्थापक दत्तोपंत ठेंगड़ी के द्वारा किया गया उद्घोष मजदूरों, दुनिया को एक करो, महज एक नारा नहीं था बल्कि विश्व निर्माण की आयोजना में श्रम और श्रमिकों के ऐतिहासिक अवदान को एक नए आर्थिक-राजनीतिक अर्थ-संदर्भ में देखने का एक भारतीय नजरिया था।

वैश्विक अर्थव्यवस्था में जहाँ मार्क्सवाद के प्रभाव से दुनिया के मजदूरों, एक हो जाओ के नारे के माध्यम से श्रमिकों को वर्ग-संघर्ष के लिए लामबंद किया जा रहा था, वहीं भारतीय मजदूर संघ ने श्रम की अस्मिता को केंद्र में रखकर दुनिया को सँवारने का एक मानवीय, रचनात्मक और समरसता-पूर्ण विकल्प प्रस्तुत किया। कार्ल मार्क्स और फ्रेडरिक एंगेल्स के कम्युनिस्ट घोषणापत्र (1848) में उद्धृत दुनिया के मजदूरों, एक हो जाओ, तुम्हारे पास खोने के लिए अपनी जंजीरों के सिवा कुछ नहीं, और जीतने के लिए पूरा संसार है। नि:संदेह, श्रम और श्रमिकों के ऐतिहासिक शोषण और वंचना से उपजे आक्रोश को समेटे यह नारा, कामगारों के विभाजन और विभाजन के कारणों से हुई उनके श्रम की लूट और अस्मिता-हनन का ऐतिहासिक दस्तावेज है। जिसकी मूल प्रेरणा वर्ग-संघर्ष पर आधारित है, जो मजदूर वर्ग को पूंजीवाद एवं सामन्तवाद के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने की अपील करता है। किन्तु ऐसा मान लेना एक ज्ञानमीमांसीय भूल ही होगी कि केवल श्रमिक स्वयं संगठित होकर ही आधुनिक अर्थ-तंत्र में पूंजीवाद के वर्चस्व से मुकाबला कर सकता है? इसके विपरीत, भारतीय सांस्कृतिक चेतना श्रम और श्रमिकों को आधुनिक पूँजीवाद की संकीर्ण दृष्टि से परे देखती है। मजदूरों, दुनिया को एक करो, यह वैचारिक परिवर्तन की एक कार्यात्मक परियोजना है, जो दुनिया को श्रमिक-केन्द्रित बनाती है। जहाँ मजदूरों से यह आव्हान किया गया है कि वे अपने श्रम के बल पर सामाजिक-आर्थिक-राजनैतिक आयामों में विभाजित एवं विषमतापूर्ण दुनिया को एक करें।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कार्पोरेट व्यवस्था में श्रमिक हितों के संरक्षण की जरूरत

इंद्रजीत सिंह

इस साल मई दिवस यानी मजदूर दिवस अभूतपूर्व परिस्थितियों में आया है। बीते दिनों राष्ट्रीय राजधानी के चारों ओर हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान के औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिक असंतोष सड़कों पर प्रकट हुआ। ऑटोमोबाइल, गारमेंट जैसे उद्योगों में कार्यरत श्रमिकों की प्रमुख मांगें न्यूनतम वेतन में बढ़ोतरी और प्रतिदिन आठ घंटे से ज्यादा काम लेने पर दोगुना ओवरटाइम थीं। ऐसी मांगों को शायद ही कोई अनुचित कह सके। लेकिन मानेसर, गुड़गांव, भिवाड़ी और नोएडा में फूटे आक्रोश को शांत करने के लिए श्रमिकों की सुनवाई करने की बजाय उन पर पुलिस बल का प्रयोग किया गया। कई गिरफ्तार कर जेल भेजे गए। पिछले दिनों ऐसी ही स्थिति पानीपत रिफाइनरी के श्रमिकों के असंतोष के रूप में सामने आयी। शासन-प्रशासन की ओर से श्रमिकों के इस स्वत: स्फूर्त असंतोष के पीछे कथित संदिग्ध ताकतों का हाथ बताकर पूरे मामले को रहस्यमय बनाने की कोशिश की। लेकिन असंतोष अभी भी कायम है।

वहीं ऊर्जा संकट के कारण गुजरात जैसे प्रदेशों से मजदूर पलायन कर गए हैं। इस ताजा घटनाक्रम के विस्तार में जाने से पहले एक नजर मई दिवस के इतिहास पर डालना जरूरी है। मई दिवस की शुरुआत साल 1886 में अमेरिका के शिकागो शहर में मई महीने के पहले सप्ताह में हजारों औद्योगिक मजदूरों द्वारा की गई हड़ताल से हुई थी। सड़कों पर आकर 8 घंटे का कार्य दिवस और कार्यस्थल पर सम्मानजनक व्यवहार की मांग को लेकर रोष प्रदर्शनों से निपटने के लिए पुलिस द्वारा की गई गोलीबारी में कुछ मजदूर शहीद हुए। बाद में हिंसा फैलाने के मनगढ़ंत आरोपों में मुकदमे चलाकर 6 श्रमिक नेताओं को मृत्युदंड दिया गया। तभी से दुनिया के श्रमिक अपने उन शहीद साथियों को याद करते हैं जिनकी कुर्बानियों से इस मानवीय नियम को अंतर्राष्ट्रीय स्वीकार्यता मिली जिसके तहत आठ घंटे काम, आठ घंटे नींद और आठ घंटे परिवार के साथ बिताना। 1889 में पेरिस में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सोशलिस्ट कांग्रेस के आह्वान पर 1890 में 1 मई को पहली बार मई दिवस दुनियाभर में मनाया गया।

तब से सभी देशों के श्रमिक 1 मई के दिन अपने-अपने शहरों में इकट्ठे होकर शोषण, उत्पीड़न वाली व्यवस्था में बदलाव कर गरिमामय जीवन व समतामूलक समाज की स्थापना के लक्ष्य को आगे बढ़ाने का संकल्प लेते हैं। अन्याय के खिलाफ वे अपनी एकता प्रदर्शित करते हैं। वे साम्राज्यवादी ताकतों के साथ किये जा रहे व्यापार समझौतों के विरोध में अपने-अपने देशों की मार्केट और संप्रभुता की हिफाजत में खड़े होते हैं और युद्धों का विरोध करते हुए विश्व शांति के पक्ष में संकल्प लेते हैं। बहरहाल, इस समय अमेरिका-इस्राइल और ईरान युद्ध का खमियाजा पूरे विश्व के आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है। हमेशा की तरह पूंजीवादी सिस्टम के तहत कार्पोरेट जगत अपने मुनाफे की दर बनाए रखने हेतु संकट का बोझ किसान व मजदूर वर्ग के ऊपर डालने के रास्ते पर चल रहा है। ऐसे हाल में गैस की कीमतें बढ़ने से कंपनियों को अपने मुनाफे बनाए रखने के लिए श्रमिकों के काम के घंटे बढ़ाना आसान विकल्प दिखाई देता है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के श्रमिकों को खाड़ी युद्ध की वजह से ऊर्जा के दाम बढ़ने और बेतहाशा महंगाई के कारण 8-10 हजार रुपये के मामूली वेतन में गुजारा करना असंभव हो गया।

मकान किरायों में बढ़ोतरी, बच्चों की स्कूल फीस व स्वास्थ्य खर्च वृद्धि आदि के कारण मजदूर अपना गुजारा नहीं चला सकते हैं। आंदोलन भड़कने के उपरांत आनन-फानन में राज्य सरकारों ने न्यूनतम वेतन में जो वृद्धि की है वह नाकाफी है बल्कि उनका अनुपालन नहीं करवाया जाता है। इसके अलावा एक बड़ा हिस्सा ऐसा भी है जिसे 'पीस रेट' के तहत लगाया हुआ है। संगठित क्षेत्र के ये ऐसे मजदूर हैं जो असंगठित हैं। इनकी कोई वैधानिक सामाजिक सुरक्षा व दुर्घटनाओं से सुरक्षा नहीं जबकि जोखिमपूर्ण कार्य स्थितियों में इन्हें काम करना पड़ता है। शोषण के शिकार ऐसे तबकों का आवाज उठाना स्वाभाविक है। बता दें कि नव-उदारवाद के दौर में कार्पोरेट के मंसूबों के चलते वर्ष 2020 में सभी 29 श्रम कानूनों को हटाकर उनकी जगह पर चार श्रम संहिता संसद में पारित किए गए।

ट्रेड यूनियनों के तीखे विरोध के बावजूद 21 नवंबर 2025 में इन्हें लागू करने की अधिसूचना जारी कर दी गई। देश की सभी प्रमुख ट्रेड यूनियनों का मानना है कि चार श्रम संहिता लागू होने की स्थिति में काम के घंटों में वृद्धि होगी, यूनियनों का पंजीकरण करवाना कठिन होगा, हड़ताल करने पर दंडात्मक कारवाई की जा सकेगी, स्थाई रोजगार की बजाय ठेका प्रणाली का प्रचलन बढ़ेगा और भर्ती व हटाना आसान होगा। यही नहीं, 300 तक श्रमिक संख्या वाले उद्योगों को श्रम विभाग की अनुमति के बिना मजदूरों को हटाने की छूट रहेगी।

पंकज चतुर्वेदी

पर्यावरण संरक्षण राष्ट्रीय सुरक्षा का अभिन्न हिस्सा बने

भारत में मौसम का बदलता मिजाज और वैशाख के महीने में जेठ जैसी तपिश का अहसास होना अब केवल एक प्राकृतिक घटना नहीं, बल्कि एक गहरे पारिस्थितिक संकट की चेतावनी है। अक्सर भीषण गर्मी और लू के लिए अल नीनो या वैश्विक जलवायु परिवर्तन को दोष देकर हम अपनी जिम्मेदारी से बचते रहे हैं, लेकिन वास्तविकता यह है कि यह संकट काफी हद तक मानव-निर्मित है। आज हम जिस भीषण गर्मी का सामना कर रहे हैं, वह वैश्विक वायुमंडलीय बदलावों और स्थानीय स्तर पर पर्यावरण के प्रति बरती गई नीतिगत लापरवाही का एक मिला-जुला परिणाम है। जब हम अपनी विकास योजनाओं के नाम पर हजारों हेक्टेयर प्राथमिक जंगलों, पहाड़ियों और जल निकायों को नष्ट करते हैं, तो हम अनजाने में उन प्राकृतिक 'कूलिंग एजेंटों' को खत्म कर देते हैं जो इस तपिश के खिलाफ हमारी एकमात्र सुरक्षा थे।

बुंदेलखंड जैसे क्षेत्रों में, जहां तापमान अब नियमित रूप से 48 डिग्री सेल्सियस के स्तर को छूने लगा है, यह स्पष्ट है कि हमारी विकास की भूख ने धरती के प्राकृतिक थर्मोस्टेट को बिगाड़ दिया है। इस मानव-निर्मित गर्मी की सबसे प्रत्यक्ष और क्रूर मार उन मजदूरों और सड़क किनारे काम करने वाले श्रमिकों पर पड़ती है जो इस ढांचे का निर्माण कर रहे हैं। भारत के करोड़ों निर्माण श्रमिक, रेहड़ी-पटरी वाले और गिग-इकोनॉमी के कर्मचारी इस गर्मी को केवल एक आंकड़े के रूप में नहीं, बल्कि एक शारीरिक हमले के रूप में महसूस करते हैं। आंकड़ों के अनुसार, गर्मी के कारण भारत को 2030 तक अपने कुल कामकाजी घंटों का 5.8 प्रतिशत हिस्सा खोना पड़ सकता है, जो लगभग 3.4 करोड़ पूर्णकालिक नौकरियों के बराबर है। बांदा जैसे शहरों में, कंक्रीट और कोलतार की सड़कें गर्मी को सोखकर रात में भी उसे वापस छोड़ती हैं, जिससे 'अर्बन हीट आइलैंड' प्रभाव पैदा होता है और स्थानीय तापमान ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में 5 डिग्री सेल्सियस से 7 डिग्री सेल्सियस तक अधिक बना रहता है।

नीतिगत स्तर पर मजदूरों के लिए 'छाया का अधिकार' या लू के दौरान काम के घंटों में बदलाव जैसे नियम केवल कागजों तक सीमित हैं, जो हमारे विकास के उस अंधेपन को दर्शाते हैं जहां श्रम को एक जैविक इकाई के बजाय केवल एक मशीन समझा जाता है। गर्मी का यह घातक रूप हमारी खेती और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ रहा है। 'थर्मल शॉक' के कारण गेहूं जैसी प्रमुख फसलों के दाने दूध भरने की अवस्था में ही सूख रहे हैं, जिससे पैदावार में 15 प्रतिशत से 25 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की जा रही है। मिट्टी की नमी खत्म होने से उपजाऊ जमीन अब मरुस्थल में बदल रही है, फिर भी हमारी नीतियां सूखे क्षेत्रों में अधिक पानी चाहने वाली फसलों को बढ़ावा दे रही हैं।

इसी तरह, जंगलों के विखंडन और अवैध खनन ने वन्यजीवों के लिए भोजन का संकट पैदा कर दिया है। छतरपुर और पन्ना टाइगर रिजर्व के आसपास के इलाकों में, खनन के कारण प्राकृतिक जल स्रोत सूख चुके हैं, जिसके परिणामस्वरूप जंगली जानवरों का बस्तियों की ओर आना 40 प्रतिशत तक बढ़ गया है। यह केवल मानव-पशु संघर्ष नहीं है, बल्कि उस पारिस्थितिक सुरक्षा चक्र का टूटना है जो इंसानों और जानवरों को एक साथ सुरक्षित रखता था। वर्तमान 'हीट एक्शन प्लान' (एचएपी) की सबसे बड़ी विफलता यह है कि वे केवल शहरों में मौतों को रोकने पर केंद्रित हैं, जबकि जमीन, जल और मिट्टी के गिरते स्वास्थ्य की अनदेखी करते हैं।

अब समय आ गया है कि नीतिगत स्तर पर 'वन हेल्थ' के दृष्टिकोण को अपनाया जाए, जहां मिट्टी की नमी, पशुधन का स्वास्थ्य और वन्यजीवों का संरक्षण एक ही इकाई के रूप में देखा जाए।

हमें केवल पौधारोपण की रस्म अदायगी से ऊपर उठकर बुंदेलखंड के चंदेलकालीन तालाबों जैसे पारंपरिक जल-प्रबंधन तंत्र को पुनर्जीवित करना होगा। ये तालाब केवल पानी का स्रोत नहीं थे, बल्कि वे स्थानीय पारिस्थितिकी को ठंडा रखने के विकेंद्रीकृत साधन थे। नीति-निर्माताओं को यह समझना होगा कि राजमार्गों के लिए काटे गए पेड़ केवल लकड़ी नहीं थे, बल्कि वे उस सूक्ष्म-जलवायु का हिस्सा थे जो फसलों को झुलसने से बचाती थी। हमें विकास की अपनी परिभाषा को बदलना होगा।

बुंदेलखंड में पत्थर खनन के लिए काटी गई हर पहाड़ी और उत्तराखंड में कंक्रीट के विस्तार के लिए नष्ट की गई हरियाली हमारे भविष्य की ठंडी हवाओं को रोक रही है। आर्थिक लाभ की तुलना में गर्मी के कारण होने वाला स्वास्थ्य और कृषि का नुकसान कहीं अधिक है। भविष्य की नीतियों की सफलता अब इस जवाबदेही पर टिकी है कि हम बुनियादी ढांचे के निर्माण में 'ग्रीन इंजीनियरिंग' को कितनी प्राथमिकता देते हैं और पर्यावरण नियमों की अनदेखी को कब बंद करते हैं। हमें यह स्वीकार करना होगा कि पर्यावरण का संरक्षण अब केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा का अभिन्न हिस्सा है। तभी हम इस मानव-निर्मित भट्टी से बाहर निकल पाएंगे और आने वाली पीढ़ियों को एक ऐसी धरती दे पाएंगे जो केवल झुलसती नहीं, बल्कि जीवन भी प्रदान करती है।

घर पर बच्चों के लिए बनाएं लौकी का चिला

आजकल ज्यादातर बच्चे मैगी, पास्ता और फास्ट फूड खाना ज्यादा पसंद करते हैं। ऐसे में माता-पिता के लिए उन्हें हेल्दी सब्जियां खिलाना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। खासकर लौकी का नाम सुनते ही बच्चे नाक-मुंह बनाने लगते हैं। लेकिन अगर लौकी को थोड़ा अलग तरीके से बनाया जाए, तो वही सब्जी बच्चों की फेवरेट डिश बन सकती है। अगर आपका

बच्चा लौकी खाने से मना करता है, तो एक बार लौकी का टेस्टी स्नैक्स जरूर ट्राय करें। लौकी का टेस्टी और हेल्दी चीला, जिसे खाने के बाद बच्चे मैगी और पास्ता भी भूल सकते हैं। यह रेसिपी इतनी स्वादिष्ट है कि बच्चे इसे मजे से खाएंगे और धीरे-धीरे हेल्दी सब्जियों की आदत भी पड़ जाएगी। क्योंकि लौकी का चीला स्वाद में बहुत टेस्टी होता है। बाहर से क्रिस्पी और अंदर से सॉफ्ट रहता है। चीज की वजह से बच्चों को ज्यादा पसंद आती है। हेल्दी भी और पेट भरने वाली भी डिश है।

सामग्री

1 कप कद्दूकस की हुई लौकी, आधा कप सूजी, आधा कप दही, 1 छोटा प्याज (बारीक कटा), 1 हरी मिर्च (बारीक कटी), नमक स्वादानुसार, आधा छोटा चम्मच हल्दी, आधा छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, थोड़ा सा कद्दूकस किया हुआ चीज, थोड़ा तेल या बटर।

लौकी खाने के फायदे

लौकी सिर्फ स्वाद में ही नहीं बल्कि सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होती है। अगर बच्चों को बचपन से ही लौकी की आदत डाल दी जाए, तो उनकी हेल्थ काफी अच्छी रह सकती है। लौकी के सेवन से कई स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं। लौकी पाचन को बेहतर बनाती है, ये शरीर को ठंडक देती है, वजन कंट्रोल में मदद करती है, बच्चों को जरूरी विटामिन और मिनरल देती है।

विधि

सबसे पहले कद्दूकस की हुई लौकी को एक बाउल में लें। इसमें सूजी, दही, प्याज, हरी मिर्च, नमक और मसाले डालकर अच्छी तरह मिलाएं। इस मिश्रण को 5 मिनट के लिए ढककर रख दें ताकि सूजी फूल जाए। अब तवा गर्म करें और थोड़ा सा तेल या बटर लगाएं। तवे पर बैटर डालकर गोल चीले की तरह फैलाएं। दोनों तरफ से सुनहरा होने तक सेंक लें। ऊपर से थोड़ा चीज डालें और टोमैटो सॉस के साथ बच्चों को सर्व करें।

कम सामग्री में घर पर बनाएं स्ट्रीट-स्टाइल मिक्स पकौड़े

जब अचानक कुछ चटपटा खाने का मन करे या मेहमान बिना बताए आ जाएं, तब मिक्स पकौड़े सबसे आसान और पसंदीदा विकल्प बन जाते हैं। मिक्स पकौड़े कई तरह की सब्जियों से बनते हैं, जिससे ये स्वादिष्ट होने के साथ-साथ पौष्टिक भी होते हैं। खास बात ये है कि इन्हें बनाने में ज्यादा तैयारी की जरूरत नहीं होती और ये सिर्फ 15 मिनट में तैयार हो जाते हैं। गरमा-गरम मिक्स पकौड़े चाय के साथ खाने का मजा ही कुछ और होता है। बेसन और देसी मसालों से बने ये पकौड़े बाहर से कुरकुरे और अंदर से नरम होते हैं। घर में मौजूद साधारण सब्जियों से तैयार होने वाली यह रेसिपी हर उम्र के लोगों को पसंद आती है और इसे कोई भी आसानी से बना सकता है।

सामान

बेसन- 1 कप, प्याज- 1 बारीक कटा, आलू - 1 छोटा पतले स्लाइस में, फूल गोभी - आधा कप, मिर्च, पनीम, हरी मिर्च - 1 बारीक कटी, अदरक - 1 छोटी चम्मच कद्दूकस, हल्दी - आधा चम्मच, लाल मिर्च पाउडर - 1 चम्मच, अजवाइन - आधा चम्मच, नमक - स्वादानुसार, पानी- आवश्यकतानुसार, तेल - तलने के लिए।

विधि

सबसे पहले एक बड़ा और सूखा बर्तन लें। इसमें 1 कप बेसन डालें और उसके बाद प्याज, आलू, गोभी, पनीर, मिर्च या अन्य उपलब्ध कटी हुई सब्जियां डालें। अब इसमें हरी मिर्च, अदरक, हल्दी, लाल मिर्च, अजवाइन और स्वादानुसार नमक डालें। सभी चीजों को अच्छी तरह सूखे हाथ या चम्मच से मिला लें, ताकि मसाले सब्जियों में बराबर फैल जाएं। अब थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए बेसन को मिलाएं। ध्यान रखें कि एक साथ ज्यादा पानी न डालें, वरना घोल पतला हो जाएगा। घोल इतना गाढ़ा होना चाहिए कि सब्जियां उसमें अच्छी तरह लिपटी रहें और टपकें नहीं। चाहें तो कुरकुरापन बढ़ाने के लिए एक चुटकी बेकिंग सोडा या चावल का आटा मिला सकते हैं। अब कढ़ाही में पर्याप्त तेल डालकर मध्यम आंच पर गर्म करें। तेल सही गरम है या नहीं, यह जांचने के लिए एक बूंद घोल डालें। अगर वह तुरंत ऊपर आ जाए तो तेल तैयार है। अब चम्मच या हाथ से थोड़ा-थोड़ा घोल लेकर तेल में डालें।

हंसना मना है

वाईफ- जानू हम ना..मंडे .. शॉपिंग, ट्यूसडे .. होटल, वेडनेसडे .. आउटिंग, थर्सडे .. डिनर फ्राइडे.. मूवी, सैटरडे .. पिकनिक जायेंगे। कितना मजा आएगा ना। हसबैंड- यस, और संडे मंदिर.. वाइफ- क्यों.. हसबैंड- भीख मांगने।

वाईफ- अगर मैं माउंट एवरेस्ट पर चढ़ू तो आप मुझे क्या दोगे? हसबैंड- पगली, इसमें पूछने वाली क्या बात है। धक्का।

अमीर आदमी- आज मेरे पास 14 कार, 18 बाइक्स, 4 बंगले, 3 फार्महाउस है, तुम्हारे पास क्या है? गरीब आदमी- मेरे पास बेटा है, जिसकी गर्लफ्रेंड तेरी बेटी है।

पत्नी- शरम नहीं आती, दुसरी औरत को घूर-घूर कर देख रहे हो! अब तुम शादी शुदा हो। पति- ऐसा कहां लिखा है की उपवास हो तो खाने का मेनू भी नहीं देख सकते।

अमीर आदमी- अगर मैं सुबह से अपनी कार में निकलूं तो शाम तक अपनी आधी प्रॉपर्टी भी नहीं देख सकता, संता- हमारे पास भी ऐसी ही खटारा कार थी, बेच दी।

कहानी | जैसी संगत वैसी रंगत

एक बार एक भंवरे की मित्रता एक गोबरी कीड़े के साथ हो गई, कीड़े ने भंवरे से कहा कि भाई तुम मेरे सबसे अच्छे मित्र हो। इसलिये मेरे यहां भोजन पर आओ, अब अगले दिन भंवरा सुबह-सुबह तैयार हो गया और अपने बच्चों के साथ गोबरी कीड़े के यहां भोजन के लिये पहुंचा। कीड़ा भी उन को देखकर बहुत खुश हुआ और सब का आदर करके भोजन परोसा। भोजन में गोबर की गोलियां परोसी गईं और कीड़े ने कहा कि खाओ भाई रुक क्यों गए। भंवरा सोच में पड़ गया, कि मैने बुरे का संग किया। इसलिये मुझे तो, गोबर खाना ही पड़ेगा। भंवरा ने सोचा कि ये मुझे इसका संग करने का फल मिला। अब इस को भी मेरे संग का फल मिलना चाहिये..भंवरा बोला भाई! आज तो मैं आप के यहां भोजन के लिये आया। अब तुम कल मेरे यहां आओगे। अगले दिन कीड़ा तैयार होकर भंवरे के यहां पहुंचा। भवरे ने कीड़े को उठा कर, गुलाब के फूल में बिठा दिया और रस पिलाया। कीड़े ने खूब फूलो का रस पिया और मजे किये अपने मित्र का धन्यवाद किया और कहां मित्र तुम तो बहुत अच्छी जगह रहते हो और अच्छा खाते हो। इस के बाद कीड़े ने सोचा क्यों न अब मैं यहीं रहूं और ये सोच कर फूल में बैठा रहा, इतने में ही पास के मंदिर का पुजारी आया और फूल तोड़ कर ले गया। और चढ़ा दिया प्रभु चरणों में... कीड़े को भगवान के दर्शन भी हुवे और उनके चरणों में बैठा। इस के बाद सन्ध्या में पुजारी ने सारे फूल इक्कठा किये और गंगा जी में छोड़ दिए। कीड़ा गंगा की लहरों पर लहर रहा था। और अपनी किस्मत पर हैरान था, कि कितना पूण्य हो गया। इतने में ही भंवरा उड़ता हुवा कीड़े के पास आया और बोला मित्र अब बताओ क्या हाल है? कीड़ा बोला भाई अब जन्म-जन्म के पापों से मुक्ति हो चुकी है। जहां गंगा जी में मरने के बाद अस्थियों को छोड़ा जाता है, वहां मैं जिन्दा ही आ गया हूं। ये सब मुझे तेरी मित्रता और अच्छी संगत का ही फल मिला है और खुशी से निहाल हूं। तेरा धन्यवाद ! जिसको मैं अपनी जन्नत समझता था वो गन्दगी थी और जो तेरी वजह से मिला ये ही स्वर्ग है।

7 अंतर खोजें

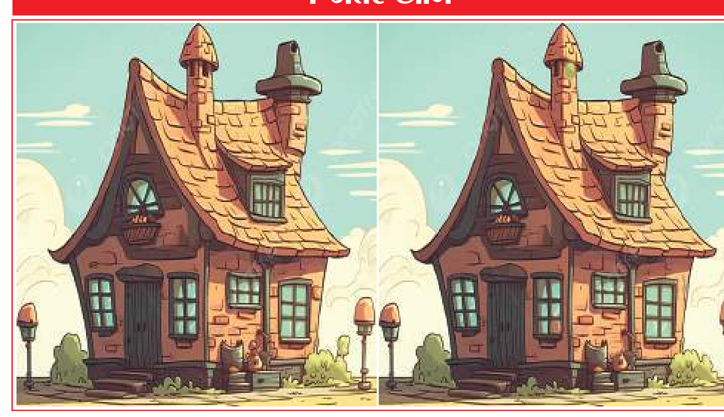

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — निवेश के सुखद परिणाम आएंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। किसी बड़ी बाधा के दूर होने से प्रसन्नता रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

वृषभ — कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। व्यस्तता रहेगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मिथुन — व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ रहेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। निवेश शुभ रहेगा।

कर्क — कारोबार में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। नए व्यापारिक अनुबंध होंगे। धनार्जन होगा। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी। नई योजना बनेगी।

सिंह — कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। परिवार के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे।

कन्या — धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे। आय में निश्चितता होगी। ऐश्वर्य पर व्यय होगा। वाहन व मशीनरी आदि के प्रयोग में सावधानी रखें, विशेषकर स्त्रियां रसोई में ध्यान रखें।

तुला — कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेशादि शुभ रहेंगे। प्रमाद न करें।

वृश्चिक — आय में वृद्धि होगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। कोई बड़ा लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। भाग्य बेहद अनुकूल है, लाभ लें।

धनु — भागदौड़ रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

मकर — आज लेन-देन में विशेष सावधानी रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। दु:खद समाचार मिल सकता है। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है।

कुम्भ — पराक्रम बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। किसी बड़े काम को करने में रुझान रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी। चोट व रोग से बचें।

मीन — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। विवेक से कार्य करें। विरोधी सक्रिय रहेंगे। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा।

जल्द ही रचित सिंह के साथ शादी के बंधन में बंधेंगी हुमा कुरैशी!

हुमा कुरैशी और रचित सिंह की शादी की चर्चा काफी समय से हो रही है। ताजा जानकारी के अनुसार सगाई के बाद अब दोनों जल्द ही शादी करने वाले हैं। दोनों के बीच रिश्ते की अफवाहें काफी समय से चल रही थीं। वे कई बार सार्वजनिक जगहों पर साथ दिख चुके हैं।

हिंदुस्तान टाइम्स की एक खबर के अनुसार, हुमा और रचित दोनों ने सितंबर 2025 में अमेरिका में निजी समारोह में सगाई कर ली थी। ताजा जानकारी के अनुसार, वे इसी साल अक्तूबर के आखिर या फिर नवंबर में शादी कर सकते हैं। शादी की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं, हालांकि, दोनों की तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

हुमा और रचित की शादी निजी तरीके से होगी, जिसमें सिर्फ परिवार के अलावा करीबी सदस्य और दोस्त ही शामिल होंगे। इसके बाद मुंबई में फिल्म जगत के लोगों के लिए एक भव्य रिसेप्शन का आयोजन किया जाएगा।

रचित सिंह ने हाल ही में आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना की फिल्म थामा से बॉलीवुड डेब्यू किया था। हुमा ने इंस्टाग्राम पर रचित की तारीफ करते हुए लिखा था कि वह बनारस से मुंबई खाली हाथ आए थे। उन्होंने एक्टिंग कोच बनकर बहुत मेहनत की और आज उनकी मेहनत रंग ला रही है। हुमा ने कहा कि थामा रचित की लगन और मेहनत का प्रमाण है और आगे उनके लिए और भी बड़ी फिल्में आने वाली हैं। हुमा को आखिरी बार फिल्म सिंगल सलमा में देखा गया था। हुमा की अगली फिल्म टॉक्सिक है। टॉक्सिक का निर्देशन गीतु मोहनदास ने किया है। टॉक्सिक में यश मुख्य भूमिका में हैं।

5 साल बाद फिर पर्दे पर नजर आएगी करण और सुरभि ज्योति की जोड़ी

टीवी की पॉपुलर ऑन-स्क्रीन जोड़ी करण सिंह ग्रोवर और सुरभि ज्योति एक बार फिर सुर्खियों में हैं। कुबूल है के बाद दर्शकों के दिलों में बस चुकी ये जोड़ी अब जल्द ही एक नए प्रोजेक्ट में साथ नजर आ सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों ने मुंबई में अपनी नई रोमांटिक सीरीज की शूटिंग भी शुरू कर दी है, जिसे लेकर फैंस के बीच काफी एक्साइटमेंट देखने को मिल रही है।

करण सिंह ग्रोवर और सुरभि ज्योति को लेकर एक नई रिपोर्ट सामने आई है। मिड डे कि रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों एक नए रोमांटिक ड्रामा के लिए ओटीटी प्लेटफॉर्म पर साथ आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि रियल लाइफ में अच्छे दोस्त रहे करण और सुरभि हमेशा से किसी खास प्रोजेक्ट में साथ काम करना चाहते थे, और अब उन्हें एक रोमांटिक

बॉलीवुड | छोटा पर्दा

सीरीज का मौका मिला है। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस सीरीज की शूटिंग भी मुंबई में शुरू हो चुकी है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, सुरभि ज्योति अप्रैल से ही इस सीरीज की शूटिंग कर रही हैं। सूत्रों का कहना है कि सुरभि को इस प्रोजेक्ट की कहानी काफी पसंद आई और उन्हें लगता है कि रोमांटिक किरदार में उन्हें देखने वाले फैंस के लिए यह एक खास ट्रीट होगी। हालांकि, अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि करण सिंह ग्रोवर और सुरभि का यह नया प्रोजेक्ट मिनी-सीरीज होगा या फिर मल्टी-सीजन शो।

बता दें कि करण सिंह ग्रोवर और सुरभि ज्योति ने टीवी शो कुबूल है में एक साथ काम किया था। शो में दोनों कि केमेस्ट्री को खूब सराहा गया। वहीं ये दोनों फिर कुबूल है 2.0 में फिर साथ नजर आएं। वहीं अब इन खबरों ने फैंस को काफी एक्साइटेड कर दिया है। बता दें, सुरभि ज्योति इन दिनों अपनी लाइफ के सबसे खूबसूरत फेज को एंजॉय कर रही हैं। एक्ट्रेस जल्दी ही अपने पहले बच्चे का वेलकम करने के लिए रेडी हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

मुझे फिल्म धुरंधर पहले पार्ट से दूसरी ज्यादा पसंद आई : जावेद

रणवीर सिंह की 'धुरंधर 2' 46 दिनों बाद भी बॉक्स ऑफिस पर बनी हुई है। फिल्म अभी भी अच्छी कमाई कर रही है। हालांकि, 'धुरंधर' और 'धुरंधर 2' को बॉक्स ऑफिस सफलता के बीच आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ा। कई लोगों ने फिल्म पर प्रोपेगेंडा फिल्म होने का आरोप भी लगाया और इसकी आलोचना की। अब दिग्गज गीतकार और स्क्रिप्ट राइटर जावेद अख्तर ने भी 'धुरंधर' को लेकर अपनी राय रखी है। उन्होंने फिल्म को प्रोपेगेंडा बताने वालों पर भी बात की। हाल ही में जावेद अख्तर एक कार्यक्रम में शामिल हुए। जहां उन्हें एक ज्वेलरी ब्रांड द्वारा खास सम्मान से सम्मानित भी किया गया। इस इवेंट के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए जावेद अख्तर से 'धुरंधर' को लेकर सवाल किया किया गया और इसे प्रोपेगेंडा फिल्म बताने पर उनकी राय पूछी गई। पीटीआई के अनुसार, इस पर प्रतिक्रिया देते हुए जावेद अख्तर ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि आप प्रोपेगेंडा फिल्मों से क्या मतलब रखते हैं। मुझे धुरंधर बहुत पसंद आई। यह एक बेहतरीन फिल्म थी। मुझे पहली फिल्म दूसरे पार्ट से ज्यादा पसंद आई। अपनी बात को आगे जारी रखते हुए दिग्गज गीतकार ने कहा कि हर कहानी एक दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है, लेकिन क्या कोई कहानी सिर्फ इसलिए प्रोपेगेंडा बन जाती है, क्योंकि वह दर्शकों के एक वर्ग को पसंद नहीं आती? हर किसी को अपने विचार व्यक्त करने का अधिकार है। प्रोपेगेंडा फिल्मों में क्या गलत है? हर फिल्म निर्माता का काम सच्चाई को दिखाना है। हर कहानी, चाहे वह काल्पनिक ही क्यों न हो, सतह के नीचे एक खास विचारधारा समेटे रहती है। इसलिए फिल्में अनिवार्य रूप से एक संदेश या नैतिक शिक्षा देती हैं, जिसे दर्शक अलग-अलग तरीकों से समझ सकते हैं या अपने-अपने नजरिये के अनुसार नाम दे सकते हैं।

दुनिया का सबसे बहादुर चूहा, जिसने 70 से ज्यादा लैंडमाइन का लगाया था पता

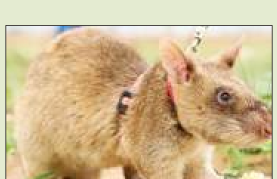

दुनिया में बहादुरी की कहानियां अक्सर इंसानों या फिर कुत्ते, बिल्ली और हाथी से जुड़ी होती हैं, लेकिन कई बार एक छोटा सा जीव भी ऐसा कुछ कर देता है, जो इतिहास के पन्नों में दर्ज हो जाता है। ऐसा ही नाम है मागवा एक अफ्रीकी नस्ल का चूहा, जिसने अपनी अनोखी क्षमता और मेहनत से हजारों लोगों की जान बचाई। जब 8 साल की उम्र में उसके निधन की खबर सामने आई, तो कई लोग भावुक हो गए। वजह साफ थी मागवा सिर्फ एक चूहा नहीं था, बल्कि वह कई लोगों के लिए जिंदगी बचाने वाला हीरो बन चुका था। आइए जानते हैं कि आखिर मागवा कौन था और क्यों लोगों के आंखों का तारा बन गया था? दरअसल, तंजानिया में पैदा हुए मगावा ने कंबोडिया में लैंड माइन और बम सूंघने के अपने करियर की शुरुआत से पहले एक साल की ट्रेनिंग ली, ताकि वह जमीन में छिपी बारूदी सुरंगों और बिना फटे बमों का पता लगा सके। उसने करीब 5 साल तक कंबोडिया जैसे खतरनाक इलाकों में काम किया, जहां हर कदम पर जान का खतरा होता था। अपनी ड्यूटी के दौरान उसने 71 बारूदी सुरंगों और 38 जिंदा विस्फोटकों का पता लगाया उसकी इस खास क्षमता की वजह से कई ऐसे इलाके सुरक्षित हो गए, जहां पहले लोगों का जाना बेहद खतरनाक माना जाता था। मगावा का वजन 1.2 किलोग्राम था और वह 70 सेंटीमीटर तक लंबा था। उसकी सबसे बड़ी खासियत उसका हल्का होना ही था। वह इतना हल्का था कि बारूदी सुरंगों के ऊपर चलने पर भी उन्हें एक्टिव नहीं करता था। काम के दौरान उसे रस्सी से बांधकर एक क्षेत्र में आगे-पीछे चलाया जाता था। जैसे ही उसे बारूद की गंध मिलती, वह जमीन खुरेदकर अपने हैंडलर को संकेत देता था। उसकी तेज सूंघने की क्षमता, सुनने की शक्ति और फुर्ती ने उसे इस काम में बेहद सफल बनाया। मागवा के योगदान को देखते हुए उसे ब्रिटेन की संस्था PDSA की ओर से गोल्ड मेडल दिया गया। यह सम्मान आमतौर पर कुत्तों को मिलता है, लेकिन पहली बार किसी चूहे को यह पुरस्कार दिया गया था। वहीं APOPO संस्था द्वारा प्रशिक्षित मागवा ने अपने करियर में मगावा ने 1.4 लाख स्क्वायर मीटर से अधिक की जमीन की पड़ताल की थी, जो कि करीब 20 फुटबॉल मैदानों के बराबर है। मागवा को साल 2016 में कंबोडिया लाया गया था और 2021 में उसे रिटायर कर दिया गया। जनवरी 2022 में, 8 साल की उम्र में उसका निधन हो गया। उसके हैंडलर ने कहा कि भले ही वह आकार में छोटा था, लेकिन उसके साथ काम करना गर्व की बात थी। मागवा के बाद अब एक और प्रशिक्षित चूहा रोनिन इस जिम्मेदारी को संभाल रहा है। रोनिन अब तक 100 से ज्यादा बारूदी सुरंगों और कई विस्फोटकों का पता लगाकर नया रिकॉर्ड बना चुका है।

अजब-गजब | इस कब्रिस्तान की है अजीबो-गरीब खासियत और प्रथा

यहां लाशें सड़ते ही खोद दी जाती हैं कब्रें इस कब्रिस्तान को मानते हैं जन्नत की सीढ़ी

इस्लाम धर्म में मक्का को सबसे पवित्र स्थल माना जाता है। हर मुसलमान का सपना होता है कि वह कभी ना कभी मक्का-मदीना की यात्रा कर सके। मक्का में मस्जिद-ए-हराम के पास ही एक ऐसा कब्रिस्तान है जिसकी उम्र हजार साल से भी ज्यादा बताई जाती है। इस कब्रिस्तान का नाम जन्नतुल मुअल्ला है। इसे अल-हजून के नाम से भी जाना जाता है। यह कब्रिस्तान ना सिर्फ पुराना है बल्कि बेहद पवित्र भी है। यहां पैगंबर मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की पहली पत्नी हजरत खदीजा रजि। अल्लाहु अन्हा, उनकी मां हजरत आमिना, दादा हजरत अब्दुल मुत्तलिब समेत कई सहाबा और इस्लाम के शुरुआती दौर के महत्वपूर्ण व्यक्तियों को दफनाया गया है। मुसलमानों की मान्यता है कि इस कब्रिस्तान में दफन होने वाले लोगों को खास बरकत और जन्नत की राह आसान मिलती है।

जन्नतुल मुअल्ला में जगह की कमी के कारण पुरानी लाशों को सड़ने के बाद कब्र से निकालने की प्रथा सदियों से चली आ रही है। जब शरीर पूरी तरह सड़ जाता है तो कब्र खोदकर हड्डियों को इकट्ठा करके विशेष तरीके से संभाल लिया जाता है। इससे नई लाशों को दफनाने के लिए जगह बनाई जा सकती है। यह

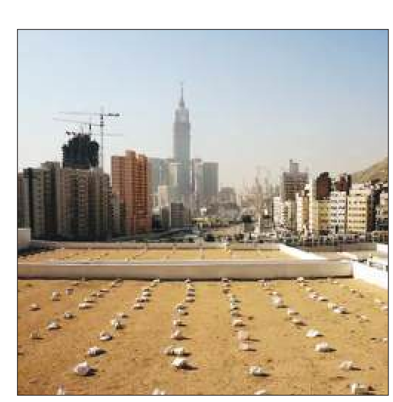

प्रक्रिया इस्लामी नियमों के अनुसार सम्मानजनक तरीके से की जाती है। कई रिपोर्ट्स के अनुसार यहां लाखों-करोड़ों मुसलमानों की आखिरी आरामगाह है। समय के साथ कब्रिस्तान का विस्तार हुआ लेकिन मूल जगह आज भी वही है। 1920 के दशक में सऊदी शासन के दौरान कब्रों पर बने गुंबद और संरचनाओं को हटा दिया गया था ताकि शिर्क जैसी प्रथाओं से बचा जा सके। आज यहां साधारण पत्थरों के ढेर ही निशान के रूप में दिखते हैं। जन्नतुल मुअल्ला इस्लाम से पहले के जमाने से भी इस्तेमाल होता रहा है। पैगंबर साहब के दौर में भी इसे इस्तेमाल किया जाता था। हजरत खदीजा रजि. की कब्र इस कब्रिस्तान की सबसे महत्वपूर्ण है। पैगंबर साहब अक्सर यहां आकर दुआ करते थे। इस जगह को उच्चतम जन्नत के नाम से भी पुकारा जाता है। आज भी हज और उमरा करने वाले श्रद्धालु इस कब्रिस्तान में जाकर फातिहा पढ़ते हैं और दुआ मांगते हैं। हालांकि यहां कोई भव्य इमारत या कब्र का पत्थर नहीं है, फिर भी इसकी रूहानी अहमियत बरकरार है।

आज मक्का में लाखों हज यात्री आते हैं। शहर का विस्तार हो रहा है लेकिन पवित्र स्थलों की रक्षा भी जरूरी है। कब्रिस्तान में जगह सीमित होने के कारण ऊपर बताई प्रथा जारी है। यह इस्लाम की सादगी और जीवन की नश्वरता की याद दिलाता है। कुरान में भी याद दिलाया गया है कि दुनिया फानी है और आखिरत ही असली जीवन है। कई मुसलमान इस कब्रिस्तान को जन्नत की सीढ़ी मानते हैं। यहां दफन होने वालों को खास सम्मान मिलता है। हालांकि कुछ विवाद भी रहे हैं जब पुरानी संरचनाएं हटाई गईं, लेकिन आज यह जगह सादगी के साथ इस्लामी शिक्षाओं के अनुरूप है।

भाजपाई गुंडे घुसे, मुझे पीटा गया : ममता

भवानीपुर में हार के बाद टीएमसी प्रमुख का दावा

» सांसद और वरिष्ठ वकील कल्याण बनर्जी द्वारा साझा की गयी पूर्व सीएम से फोन पर बातचीत

» चुनाव आयोग, सीआरपीएफ और स्थानीय चुनाव अधिकारियों ने दिल्ली के इशारे पर किया काम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 26 के नतीजों के बाद एक दूसरे पर अरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया। टीएमसी भाजपा पर आरोप लगा रही है उन्होंने वोटों की लूट से चुनाव जीता है। उधर बंगाल में न केवल सत्ता परिवर्तन किया है, बल्कि एक ऐसा विवाद भी खड़ा कर दिया है जो अब अदालत की दहलीज तक पहुँचने वाला है। भवानीपुर विधानसभा सीट, जिसे ममता बनर्जी का अभेद्य किला माना जाता था, वहां से सुवेंदु अधिकारी की जीत के बाद ममता बनर्जी का एक फोन कॉल सोशल मीडिया पर जंगल की आग की तरह फैल गया है।

तृणमूल कांग्रेस के सांसद और वरिष्ठ वकील कल्याण बनर्जी द्वारा साझा की गई इस फोन बातचीत में ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग और सुरक्षा बलों पर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। इस बातचीत में ममता बनर्जी ने दावा किया कि वोटों की गिनती के 16वें राउंड तक वह भाजपा के शुभेंदु अधिकारी से आगे चल रही थीं, जबकि कुछ ही राउंड बाकी थे। फोन कॉल में उन्हें यह आरोप लगाते हुए सुना जा सकता है कि चुनाव प्रक्रिया को गुंडों ने प्रभावित किया, जो गिनती केंद्रों में घुसकर अधिकारियों और एजेंटों को डरा-धमका रहे थे। उन्होंने आगे चुनाव आयोग, सीआरपीएफ और स्थानीय चुनाव अधिकारियों पर दिल्ली के इशारे पर काम करने और भाजपा का पक्ष लेने का आरोप लगाया। उनकी शिकायत का एक बड़ा हिस्सा टीएमसी के गिनती एजेंटों को कथित तौर पर हटाए जाने पर केंद्रित था, जिनकी जगह कथित तौर पर विपक्षी दलों के एजेंटों को रख दिया गया था। ममता बनर्जी ने कहा,वे बचे हुए राउंड भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र के थे, जो पूरी तरह से हमारा इलाका था। उसी समय, कुछ गुंडे गिनती केंद्र में घुस आए, चुनाव आयोग के अधिकारियों के साथ मिलकर उन्होंने मुझे पीटा और सीआरपीएफ की मदद से मेरे एजेंटों को बाहर फेंक दिया।

बिना सील वाली ईवीएम को इधर-उधर किया गया

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि आखिरी राउंड में गिनती हॉल के अंदर उनकी पार्टी का कोई प्रतिनिधि मौजूद नहीं था, और दावा किया कि श्वङ्करूमशीनों को बिना ठीक से सील किए ही स्ट्रॉन्गरूम में ले जाया गया। उन्होंने कहा, मैं हॉल के बाहर खड़ी हूँ। मुझे अंदर जाने की इजाज़त नहीं दी जा रही है।इस स्थिति को अत्याचार बताते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि पहले एसआई के ज़रिए मतदाताओं को बाहर निकाला गया, और फिर गिनती केंद्रों के अंदर बिजली गुल होने और अफरा-तफरी के बीच उनके वोटों को ज़बरदस्ती चुरा लिया गया। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि बिना सील वाली ईवीएम मशीनों को गैर-कानूनी तरीके से इधर-उधर किया गया और गिनती के आखिरी राउंड में पारदर्शिता की कमी रही।

इन नतीजों को कानूनी तौर पर चुनौती दी जाएगी

ममता बनर्जी ने इन नतीजों को बीजेपी की जीत नहीं, बल्कि एक अनैतिक, गंदा खेल और विपक्ष की नैतिक हार बताया, साथ ही उन्होंने कहा कि हर चीज़ का दस्तावेज़ीकरण किया गया है और इसे कानूनी तौर पर चुनौती दी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि सबूत इकट्ठा कर लिए गए हैं और वकील के तौर पर कल्याण बनर्जी को इन तथ्यों से अवगत कराया जा रहा है।

टीएमसी 24 घंटे में खत्म हो जाएगी : अधिकारी

इस ऐतिहासिक जीत के नायक बनकर उभरे सुवेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। नंदीग्राम सीट पर जीत दर्ज करने के बाद सुवेंदु अधिकारी ने बात करते हुए इस जीत को स्थानीय हिंदू समुदाय के समर्थन का परिणाम बताया। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा टीएमसी एक भ्रष्ट और परिवार-केंद्रित पार्टी है जिसकी कोई विचारधारा नहीं है। यह पार्टी अब अगले 24 घंटों में खत्म होने की राह पर है। हमारा ध्यान अब नंदीग्राम की जनता की सेवा करना और मोदी की गारंटियों को जमीन पर उतारना है। बीजेपी नेता ने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि उनका आगे का काम पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व द्वारा किए गए वादों के अनुरूप होगा। गृह मंत्री अमित शाह द्वारा किए गए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दोहराए गए वादों का ज़िक्र करते हुए, अधिकारी ने पार्टी का घोषणापत्र लागू करने और ज़मीनी स्तर पर उसकी गारंटियों को पूरा करने का संकल्प लिया। नंदीग्राम के अलावा, अधिकारी ने भवानीपुर में भी जीत दर्ज की।

आईपीएल में मुंबई इंडियंस का सबसे बड़ा रन चेज

» आठ गेंद शेष रहते लखनऊ को छह विकेट से हराया, रोहित-रिकेल्टन चमके

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। रोहित शर्मा और रेयान रिकेल्टन की शानदार साझेदारी की मदद से मुंबई इंडियंस ने लखनऊ सुपरजाएंट्स को छह विकेट से हरा दिया। लखनऊ ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 228 रन बनाए। जवाब में मुंबई के लिए रोहित और रिकेल्टन ने अर्धशतक लगाए जिससे टीम ने 18.4 ओवर में चार विकेट पर 229 रन बनाकर मैच जीता। ये आईपीएल में मुंबई इंडियंस का सबसे बड़ा रन चेज है। इससे पहले मुंबई ने इसी सीजन केकेआर के खिलाफ 221 रनों का लक्ष्य हासिल किया था।

मुंबई को लगातार तीन हार के बाद जीत मिली है, लेकिन वह अंक तालिका में नौवें स्थान पर मौजूद है। मुंबई के 10 मैचों में तीन जीत और सात हार के साथ छह अंक हैं। वहीं, लखनऊ सुपर जाएंट्स नौ मैचों में दो जीत और सात हार के साथ चार अंक लेकर 10वें नंबर पर हैं। लक्ष्य का पीछा करते हुए रोहित और रिकेल्टन ने शानदार शुरुआत दिलाई। रोहित इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर खेलने उतरे थे और इस मैच में वह लय में नजर आए। मुंबई के लिए रोहित ने 84 रन बनाए और रिकेल्टन 83 रन बनाकर आउट हुए। रिकेल्टन और रोहित के बीच पहले विकेट के लिए 143 रनों की साझेदारी हुई। वहीं, नमन धीर 23 रन बनाकर नाबाद रहे और विल जैक्स 10 रन बनाकर नाबाद लौटे। इससे पहले, मुंबई ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। इस मैच में लखनऊ के लिए मिचेल मार्श और निकोलस पूरन ने अर्धशतक जड़ने के अलावा दूसरे विकेट के लिए 94 रन जोड़कर सुपर जाएंट्स को ठोस मंच प्रदान किया। वहीं, मिचेल मार्श ने 25 गेंदों पर चार चौकों और तीन छक्कों की मदद से 44 रन की पारी खेली।

चेन्नई के खिलाफ मैच के लिए फिट हुए लुंगी एनगिडी

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजी कोच मुनाफ पटेल ने चेन्नई के खिलाफ होने वाले मैच से पहले कहा, सभी खिलाड़ी फिट हैं। लुंगी भी फिट हैं। उन्होंने दो मैच इसलिए नहीं खेले क्योंकि (सिर में चोट पर) छह दिन के आराम का नियम लागू होता है। एनगिडी की वापसी से गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती मिलेगी। मिचेल स्टार्क भी टीम में शामिल हो गए हैं और उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ सत्र के अपने पहले ही मैच में शानदार प्रदर्शन किया। मुनाफ ने कहा कि स्टार्क की मौजूदगी से निश्चित रूप से फर्क पड़ेगा। मुनाफ ने कहा, पावरप्ले में विकेट लेने वाला गेंदबाज होने से पूरा परिदृश्य बदल जाता है। पिछले मैच में डेविड मिलर के प्लेइंग-11 से बाहर रहने पर मुनाफ ने कहा, मैदान पर उतरने वाली टीम में सिर्फ चार विदेशी खिलाड़ी ही शामिल हो सकते हैं। इसलिए पथुम और मिलर में से सिर्फ एक ही खेल सकता था। हमने पथुम को चुना क्योंकि टीम को सलामी बल्लेबाज की जरूरत थी।

ईवीएम को कोई भी हैक कर सकता है: सुक्खू

» विधानसभा चुनाव परिणाम पर सीएम ने भाजपा को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। पश्चिम बंगाल सहित अन्य राज्यों में विधानसभा चुनाव परिणाम आने के बाद मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुख्खू ने बड़ा बयान दिया है। सीएम ने दावा किया कि ईवीएम को कोई भी कहीं भी हैक कर सकता है। 14 में जिस तरह से लोकसभा चुनाव में हिमाचल प्रदेश में वोटिंग प्रतिशतता रही। उस समय भी उन्होंने सवाल उठाए थे। कांग्रेस को केवल 20 प्रतिशत वोट पड़े। इससे शंका पैदा हो जाती है। सोमवार को सचिवालय परिसर में मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने भाजपा पर जांच एजेंसियों ईडी और सीबीआई को कार्यकर्ताओं के रूप में प्रयोग करने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि देश में 14 के बाद एक राजनीतिक परिवर्तन आया। पहले लोकतंत्र में किसी भी संस्था को दबाव में नहीं लिया जाता था, लेकिन भाजपा ने ईडी और सीबीआई को अपने कार्यकर्ता की तरह इस्तेमाल किया है। भाजपा चुनाव में साम साम दंड भेद सबका प्रयोग करती है, जो कांग्रेस ने कभी नहीं किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बंगाल में कांग्रेस ने 20 साल बाद अपने उम्मीदवार सभी सीटों पर उतारे। वह खुद वहां पर प्रचार करने गए थे, वहां पर टीएमसी के खिलाफ काफी लोगों में रोष था। भविष्य में वहां पर निश्चित रूप से ही कांग्रेस सत्ता पर काबिज होगी। उन्होंने कहा कि बंगाल में भाजपा ने ध्रुवीकरण किया है। टीएमसी की 15 साल की एंटी इनकम्बेंसी का फायदा उठाया है।

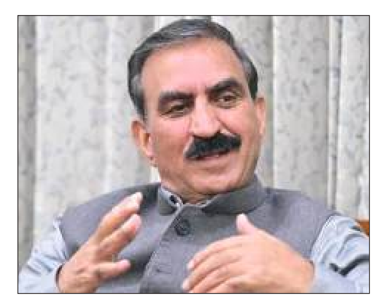

सीएम सुक्खू जिस भी राज्य में गए, वहां कांग्रेस का सूपड़ा साफ हुआ : जयराम

पूर्व सीएम एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि बंगाल में 15 वर्ष के दमन का अंत हुआ है। पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुक्खू कांग्रेस के लिए प्रचारक नहीं, बल्कि भाजपा की जीत का संकेत बनते जा रहे हैं। वह जिस भी राज्य में कांग्रेस के स्टार प्रचारक बनकर गए, वहां कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया और भाजपा की सरकार बनी, जो उनकी विफल कार्यशैली का राष्ट्रीय प्रमाण है। मंडी में पत्रकारवार्ता के दौरान जयराम ने अधिकारियों को भी चेतावनी दी कि वे केवल मुख्यमंत्री को खुश करने के लिए नियम विरुद्ध कार्य न करें, अन्यथा भविष्य में उन्हें इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। प्बहुत से अधिकारी उनके पास आए। बताया कि सीएम बार-बार अपनी कही हुई बातों को ही लिखवाने का दबाव बनाते जा रहे हैं।

बंगाल चुनाव में 29 लाख वोटर वंचित किए गए : सुप्रियो भट्टाचार्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। रांची में झारखंड मुक्ति मोर्चा ने बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। पार्टी ने चुनाव प्रक्रिया को अवैध और असंवैधानिक बताते हुए दावा किया है कि करीब 29 लाख मतदाताओं को उनके मताधिकार से वंचित किया गया, जिससे चुनाव की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हो गए हैं।

सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि चुनाव में बड़े पैमाने पर केंद्रीय बलों की तैनाती की गई, जिससे मतदाताओं में भय का माहौल बना। उन्होंने कहा कि केंद्र की एजेंसियों का दुरुपयोग किया गया और इससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया प्रभावित हुई। उन्होंने कहा कि जिन मतदाताओं की पहचान और सत्यापन प्रक्रिया पूरी नहीं हुई थी, उन्हें भी मतदान करने दिया गया।

दूर-दूर तक महसूस होंगे विस चुनाव परिणाम के झटके : उमर

» सीएम बोले- 29 के चुनाव तक इसका असर दिखेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों के नतीजे आने के बाद मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि इन चुनाव परिणाम के झटके दूर-दूर तक महसूस होंगे। 29 के चुनाव तक इसका असर दिखेगा। उमर ने पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु का जिक्र करते हुए कहा, भारत में चुनाव हमेशा ही मायने रखते हैं। इनमें रुझान और परिणाम की तर्क संगत व्याख्या रहती है। ऐसे में वे अपने कार्यालय में विशेष माध्यम से चुनाव परिणाम पर नजर रख रहे हैं।

बंगाल चुनाव परिणाम के बाद सीएम सबसे ज्यादा ट्रोल हुए हैं। उमर ने मतगणना के बीच एक्स पर एक पोस्ट साझा की और इस पोस्ट से न केवल जम्मू-कश्मीर बल्कि पूरे देश के सियासी गलियारों में जबरदस्त बहस छिड़ गई। उमर की पोस्ट के शब्दों को बंगाल के चुनाव परिणामों से जोड़कर देखा जा रहा है। उमर और ममता बनर्जी के बीच मजबूत रिश्ते हैं।

आप के बागी सांसदों पर अब भी जारी है घमासान

» राष्ट्रपति के दरबार पहुंचे सीएम मान, राघव ने पहले रखी अपनी शिकायत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सांसदों के पार्टी छोड़ने के इतने दिन बाद भी विवाद खत्म नहीं हो रहा है। इसको लेकर बागी सांसदों व आप में सियासी घमासान मचा हुआ है। अब उनका विवाद राष्ट्रपति की चौखट पर पहुंच गया है। पहले बागी सांसद महामहिम से मिले उसके बाद पंजाब के सीएम ने मुलाकात किया।

भगवंत मान ने इन सांसदों को गद्दार बताते हुए कहा कि पंजाब के लोग उन्हें कभी माफ नहीं करेंगे। इसी मसले पर सीएम राष्ट्रपति से बात करेंगे। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान आज राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात करेंगे। इस दौरान वह पंजाब के हालातों से अवगत कराते हुए बागी सांसदों के मुद्दे पर भी अपनी बात रखेंगे। वहीं सीएम मान से पहले आप छोड़ चुके राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा, संदीप पाठक, अशोक मित्तल, राजेंद्र गुप्ता राष्ट्रपति से मुलाकात करने पहुंचे हैं। वह पंजाब में कानून व्यवस्था सीमा पार से नशे और हथियारों की तस्करी समेत कई मुद्दे उठाएंगे। इसके अलावा सांसदों से जुड़े विवाद और हालिया घटनाओं की जानकारी भी दी जा सकती है।सीएम मान सभी विधायकों के साथ दिल्ली के लिए पहुंच गए हैं। हालांकि राष्ट्रपति भवन से केवल उन्हें ही मिलने की अनुमति मिली है। ऐसे में विधायक बाहर रुकेंगे और मान अकेले राष्ट्रपति से मुलाकात करेंगे। उन्होंने बताया कि वह राइट टू रिकॉल कानून लागू कराने के लिए भी हस्तक्षेप की मांग करेंगे।

‘आप’ छोड़ने वाले सात सांसदों में से छह पंजाब से थे

‘आप’ छोड़ने वाले सात सांसदों में से छह पंजाब से थे। मान का दोपहर 12 बजे राष्ट्रपति भवन में मुर्मू से मुलाकात का कार्यक्रम है। दिल्ली रवाना होते समय, मान ने इस बात पर बल दिया कि ‘आप’ के सभी विधायक एकजुट हैं। यहां पत्रकारों से बातचीत में मान ने कहा, ‘‘बैठक के लिए केवल मुझे ही समय दिया गया है।’’ उन्होंने कहा, ‘‘राष्ट्रपति संविधान की संरक्षक हैं। वह देश की संवैधानिक प्रमुख हैं।’’ इससे पहले विधायक और मंत्री सुबह मुख्यमंत्री के आवास पर जुटे और दिल्ली के लिए रवाना हुए। उनके हाथों में तख्तियां थीं जिन पर लिखा था ‘पंजाब मान दे नाल’ और ‘पंजाब के गद्दार’।

बस भाजपा कार्यालय की ओर न मुड़ जाए : जाखड़

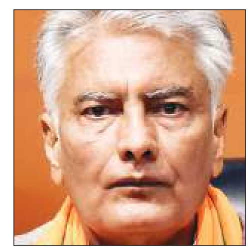

इस प्रकरण पर भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष सुनील जाखड़ ने कहा, सुना है कि सीएम मान वोल्वो बसों में सभी विधायकों को लेकर दिल्ली में राष्ट्रपति से मिलने जा रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, सीएम को बहुत ध्यान रखना होगा कहीं आप विधायकों की बस भाजपा कार्यालय की ओर न मुड़ जाए।

पंजाब सरकार बदला लेने के लिए कर रही एजेंसियों का इस्तेमाल : राघव चड्ढा

आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए सांसद राघव चड्ढा ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात कर पंजाब की। चड्ढा ने दावा किया कि सरकारी तंत्र का दुरुपयोग कर उन्हें निशाना बनाने की साजिश की जा रही है, जिस पर राष्ट्रपति ने उन्हें सुरक्षा का आश्वासन दिया है। राघव चड्ढा ने अपनी पूर्व पार्टी द्वारा प्रतिशोध की राजनीति का आरोप लगाया और कहा कि सूत्रों ने उन्हें बताया है कि वह अगला निशाना होंगे। राघव चड्ढा हाल ही में छह अन्य राज्यसभा सांसदों के साथ आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए हैं। मंगलवार को चड्ढा ने सांसद संदीप पाठक और अशोक मित्तल के साथ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की और आम आदमी पार्टी के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा कुछ सांसदों के खिलाफ की जा रही कार्रवाई पर चिंता जताई।

तमिलनाडु में नई सरकार बनाने की कवायद हुई तेज

जीत के बाद टीवीके मुख्यालय में बैठक, विधायकों ने जनता का जताया आभार, स्टालिन ने सीएम के पद से दिया इस्तीफा

» सीपीआई एम विजय के रुख के बाद लेगी फैसला

» कांग्रेस से मांगा विजय के लिए समर्थन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई । तमिलनाडु में नई सरकार बनाने की कवायद शुरू हो गई है। सीपीआईएम के राज्य सचिव पी. शनमुगम ने कहा कि पार्टी का झुकाव डीएमके गठबंधन की ओर है, लेकिन अंतिम फैसला विजय के रुख स्पष्ट होने के बाद ही लिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि पहले विजय अपना रुख स्पष्ट करें, उसके बाद हम तय करेंगे कि किसे समर्थन देना है। इसमें कोई संदेह नहीं कि हम डीएमके गठबंधन के साथ हैं। इस बीच स्टालिन ने सीएम के पद से इस्तीफा दे दिया है। विधानसभा चुनाव में शानदार जीत के बाद टीवीके के नव-निर्वाचित विधायकों ने जनता का आभार जताया है। चेन्नई के पनैयूर स्थित पार्टी मुख्यालय में आगे की रणनीति तय करने के लिए एक अहम बैठक चल रही है। विधायकों ने पिछली सरकारों पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि थलापति विजय के नेतृत्व में किए गए सभी वादे पूरे होंगे।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में शानदार जीत के बाद राजनीतिक सरगर्मियां काफी तेज हो गई हैं। अभिनेता से राजनेता बने सी. जोसेफ विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) के नवनिर्वाचित विधायकों ने राज्य की जनता को उनके भारी समर्थन के लिए धन्यवाद दिया है। चुनाव जीतने के बाद टीवीके के तमाम बड़े नेता और विधायक चेन्नई में इकट्ठा हुए हैं, जहां नई सरकार और आगे की रणनीतियों को लेकर पार्टी मुख्यालय में एक बहुत ही अहम बैठक चल रही है।

एक्टर विजय के पिता एसए चंद्रशेखर ने कांग्रेस से मांगा साथ

एक्टर विजय के पिता एसए चंद्रशेखर ने मीडिया से बातचीत में कहा कि कांग्रेस का एक इतिहास और परंपरा रही है। ऐसी कांग्रेस क्यों कमजोर होती जा रही है? इसकी वजह है सत्ता का अभाव, उन्होंने आगे कहा कि किसी दूसरी पार्टी का समर्थन करने से कांग्रेस और कमजोर हो रही है, वह सत्ता हम देंगे,विजय देने के लिए तैयार हैं, अगर आपको वह सत्ता मिलती है, तो कांग्रेस अपना इतिहास और विरासत बचा सकती है.उन्हें इस मौके का इस्तेमाल करना चाहिए। चंद्रशेखर ने विजय की सार्वजनिक जीवन में रुचि पर भी बात की और कहा कि अभिनेता लंबे समय से तमिलनाडु के लिए कुछ करना चाहते थे। उन्होंने कहा,एक इंसान के तौर पर सिर्फ कलाकार होना ही काफी नहीं होता, समाज के बारे में सोच भी होनी चाहिए पिछले 30 सालों से विजय के मन में यह बात थी कि उन्हें तमिलनाडु के लिए कुछ करना है, यह सोच धीरे-धीरे विकसित हुई.आज वह मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं।

वीसीके प्रमुख स्टालिन से मुलाकात करेंगे

इस बीच विदूतलाई चिरुथाइगल काची (वीसीके) के प्रमुख थोल थिरुमावलवन ने कहा कि समर्थन पर फैसला आपसी बातचीत के बाद लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि वीसीके, सीपीआई और सीपीआई एम के नेता एमके स्टालिन से मुलाकात करेंगे, जिसके बाद आधिकारिक रुख सामने आएगा।

राहुल गांधी ने जश्न मनाने पर कांग्रेस नेताओं को फटकारा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बंगाल में भाजपा की भारी जीत के एक दिन बाद, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने टीएमसी का मजाक उड़ाने और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की हार पर खुशी मनाने के लिए कांग्रेस और अन्य पार्टियों के नेताओं की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि विपक्ष की हार भाजपा के भारत के लोकतंत्र को नष्ट करने के अभियान में एक बड़ा कदम मात्र है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कुछ लोग और अन्य लोग टीएमसी की हार पर खुशी मना रहे हैं। उन्हें यह स्पष्ट रूप से समझने की जरूरत है - असम और बंगाल के जनादेश की चोरी भाजपा द्वारा भारतीय लोकतंत्र को नष्ट करने के अभियान में एक बड़ा कदम है। छोटी राजनीति को एक तरफ रख दें। यह किसी एक पार्टी या दूसरी पार्टी के बारे में नहीं है। यह भारत के बारे में है। राहुल ने कहा कि यह बात कांग्रेस के कुछ लोगों और उन दूसरे लोगों को अच्छी तरह समझने की जरूरत है जो पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की हार से खुश हो रहे हैं।

केएमपी एक्सप्रेस-वे पर भीषण सड़क हादसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

यूपी पुलिस के 5 जवानों की मौके पर ही मौत

नूंह। कुंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेस-वे पर मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा धुलावट टोल प्लाजा के पास करीब सुबह दस बजे हुआ।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और राहत दल तुरंत मौके पर पहुंच गए और बचाव कार्य शुरू कर दिया। मरने वाले पांचों पुलिसकर्मी बताए गए हैं, जो उत्तर प्रदेश के जालौन में तैनात थे। बता दें कि एक स्कॉर्पियो कार पलवल की ओर से आ रही थी। वाहन चालक ने ओवरटेक करने की कोशिश की, लेकिन इसी दौरान गाड़ी असंतुलित हो गई और सामने चल रही दूसरी गाड़ी से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कॉर्पियो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार सभी पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

ईरान ने यूएई के तेल भंडार पर किया हमला

» तीन भारतीय नागरिक घायल, भारत ने नाराजगी जताई, विदेश मंत्रालय बोला- कूटनीति और बातचीत से ही समाधान संभव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने होर्मुज संकट के दौरान नागरिकों और इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाए जाने के खिलाफ कड़ा संदेश दिया है। पीएम मोदी ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को निशाना बनाए जाने की कड़ी निंदा करते हुए कहा है कि भारत मजबूती के साथ यूएई के साथ खड़ा है। इस हमले में तीन भारतीय नागरिक जख्मी हुए हैं।

पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट लिखा है, जिसमें पश्चिम एशिया में स्थिरता, वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा, और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए बातचीत और डायलॉग पर जोर दिया है। पीएम मोदी ने लिखा है-यूएई पर हुए हमलों की कड़ी निंदा करते हैं, जिसमें तीन भारतीय नागरिक भी जख्मी हो गए। नागरिकों और इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाना अस्वीकार्य है। पीएम मोदी ने आगे लिखा है कि भारत पूरी तरह से यूएई के साथ मजबूती से खड़ा है और सभी मुद्दों को बातचीत और कूटनीति के माध्यम से शांतिपूर्ण समाधान के प्रति समर्थन दोहराता है। इससे पहले भारत सरकार ने आधिकारिक रूप से ईरान के द्वारा यूएई के फुजैरा पेट्रोलियम इंडस्ट्रीज जोन पर किए गए हमले की निंदा की, जिसमें तीन भारतीय नागरिक घायल हो गए। विदेश मंत्रालय ने साफ लफ्जों में कहा कि भारतीय नागरिकों पर किया गया हमला स्वीकार्य नहीं किया जाएगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इसपर विदेश मंत्रालय का बयान शेयर किया है।

ईरान पर कार्रवाई को लेकर ट्रंप बोले- हमारा मिनी वॉर सफल

ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे भारी तनाव के बीच एक बहुत बड़ी खबर सामने आई है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ चल रही सैन्य कार्रवाई को लेकर एक बहुत बड़ा बयान दिया है। उनका साफ कहना है कि ईरान के खिलाफ अमेरिकी सेना का मिनी वॉर यानी छोटा युद्ध बहुत ही शानदार तरीके से चल रहा है और सेना अपने सभी बड़े लक्ष्य हासिल कर रही है। अमेरिका ने स्पष्ट कर दिया है कि वह किसी भी कीमत पर ईरान को परमाणु हथियार नहीं बनाने देगा और उसके मंसूबों को कुचल देगा। व्हाइट हाउस में नेशनल स्मॉल बिजनेस वीक के एक कार्यक्रम के दौरान बोलते हुए मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति ने इस पूरे सैन्य अभियान को बहुत जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि दुनिया को एक बहुत बड़े खतरे से बचाने के लिए यह सख्त कार्रवाई करनी ही पड़ी। उनके अनुसार, इस छोटे से युद्ध ने ईरान की कमर तोड़ कर रख दी है और उसकी ताकत अब काफी हद तक खत्म हो चुकी है। ट्रंप ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि अमेरिका पूरी तरह से सतर्क है और ईरान के परमाणु हथियार हासिल करने के सपने को कभी पूरा नहीं होने दिया जाएगा।

महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार : मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष : 0522- 4078371 । Email : daily4pm@gmail.com । website: www.4pm.co.in ।
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा